संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

# हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
17 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 174
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पंचकूला में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

## लोकसभा में शशि थरूर का तंज, कहा- भगवान राम का नाम बदनाम न करो

**नई दिल्ली:** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को लोकसभा में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पेश किए जाने का विरोध किया और देव आनंद की मशहूर फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' के एक गीत का उल्लेख करते हुए सत्तापक्ष पर कटाक्ष किया कि देखो ओ दीवानो तुम ये काम न करो, राम का नाम बदनाम ना करो।

सरकार ने विपक्ष के तीखे विरोध के बीच मंगलवार को लोकसभा में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पेश किया, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है। थरूर ने कहा, कि महात्मा गांधी का राम राज्य का दृष्टिकोण कभी भी पूरी तरह से राजनीतिक प्रोजेक्ट नहीं था। यह एक सामाजिक-आर्थिक ब्लूप्रिंट था जो गांवों को मजबूत बनाने पर आधारित था और ग्राम स्वराज में उनका अटूट विश्वास उस दृष्टिकोण का मुख्य हिस्सा था।

थरूर ने दावा किया कि मूल अधिनियम में राष्ट्रपिता का नाम रखकर इस गहरे जुड़ाव को स्वीकारा गया था कि सच्ची रोज़गार गारंटी और तरक्की जमीनी स्तर से ही होनी चाहिए, जो सबसे आखिरी व्यक्ति को सबसे पहले रखने के उनके सिद्धांत को दिखाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी का नाम हटाना विधेयक से उसके नैतिक आधार और ऐतिहासिक वैधता को छीनना है। थरूर ने सत्तापक्ष पर कटाक्ष करते हुए फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' के एक गीत की यह पंक्ति बोली कि देखो ओ दीवानो तुम ये काम न करो, राम का नाम बदनाम ना करो।

## लोकसभा में निरसन और संशोधन विधेयक 2025 पारित

**नयी दिल्ली-** लोकसभा में मंगलवार को पुराने कानूनों को समाप्त करने वाले निरसन और संशोधन विधेयक 2025 को पारित किया गया। विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक पर चर्ता का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक पर 24 लोगों ने बोला है यह अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के बनने के बाद कानून बनाना या किसी की आवश्यकता नहीं है तो उन कानूनों को निरस्त करने का काम लगातार किया गया है। कांग्रेस के शासन में पहले कानून का निरसन होता रहा है लेकिन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान दस साल कानूनों का निरसन नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकसित भारत की ओर अग्रसर है। अब तक 1577 कानूनों का निरसन किया है। इस विधेयक में 71 कानूनों का निरसन और संशोधन करने के लिए सदन में विधेयक लाया गया है। सरकार ने पिछले 11 सालों में 40,000 से अधिक शिकायतों को कम करने के साथ-साथ 'इज आफ डूइंग बिजनेस' के साथ साथ 'इज ऑफ लिविंग' को भी सुनिश्चित किया गया।

उन्होंने कहा कि निरसन विधेयक को सोच विचार करके लाया गया ताकि विकसित भारत के सपने को पूरा किया जा सके। डाक विभाग में रजिस्टर पोस्ट सेवा को स्पीड पोस्ट के साथ मर्ज कर दिया तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो कानून भेदभाव करने वाला है उसे भी हटाने का निर्णय लिया गया और यही हमारा संकल्प है। हमारे कालखंड में हमें लोगों को 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' के लिए प्रमोट करना है। यह प्रगतिशील विधेयक है इसे पारित किया जाये।

## बीमा में जवाबदेही के साथ हो सुधार : विपक्ष

**नयी दिल्ली-** विपक्ष ने लोकसभा में मंगलवार को सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा विधि संशोधन) विधेयक 2025 का विरोध करते हुए कहा कि सुधार जवाबदेही के साथ होना चाहिए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक को सदन के समक्ष चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में एक ऐसा इको सिस्टम बना जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को बीमा का लाभ मिला। सरकार कई प्रकार की बीमा योजनाएं लेकर आयी उसका मकसद कम प्रीमियम पर गरीबों का बीमा कराना और लोगों को लाभ पहुंचाना था। इससे पहले 26 प्रतिशत से 49 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) किया गया था जिससे बीमा कराने वालों की संख्या बढ़ी अब एफडीआई शत-प्रतिशत कर दिया गया है। अब समय है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों का बीमा करायें ताकि विनियामक भी सुदृढ हो। इससे लोगों को निर्बाध सेवा मिलेगी। इस विधेयक का उद्देश्य पारदर्शिता को बढाना है इसलिए एफडीआई की सीमा को बढाया गया है।

कांग्रेस के मणिकम टैगोर ने कहा कि सरकार को इस विधेयक को लाने की इतनी जल्दबाजी क्यों है यह समझ से परे है। 1956 में बीमा का राष्ट्रीयकरण किया गया जिसका मकसद लोगों की सुरक्षा के लिए लाया गया। यह लोगों के कल्याण के लिए लाया गया था। सरकार जो विधेयक लायी है उसमें विदेशी निवेश का दायरा बढाया गया है। यह सुधार नहीं है यह एक नकारात्मक कदम है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक बीमा कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं इसे कमजोर करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा हम सुधार में विश्वास करते हैं लेकिन सुधार जवाबदेही के साथ होनी चाहिए। बीमा को आधारभूत संरचना से जोड़ा जाना चाहिए।

भाजपा के कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि पहले बीमा की पहुंच आम लोगों तक हुई है। इससे अब 40 प्रतिशत फायदा गरीब लोगों को हो रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार बीमा की पहुंच बढती गयी और इसका लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने लगा है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा

योजना में मात्र 36 रुपये प्रति महीने की किश्त लगती है और दो लाख रुपये का बीमा मिलता है। विदेशी निवेश को इसलिए बढ़ाया गया ताकि अंतिम व्यक्ति तक इसका अधिक से अधिक लाभ मिले और रोजगार के अवसर बढ़े।

## सभी लोग अपनाएं हिन्दू संस्कृति : होसबोले

**संतकबीरनगर -** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने मंगलवार को कहा कि सभी लोगों को हिंदू संस्कृति को आत्मसात करने की जरुरत है।

खलीलाबाद थाना क्षेत्र के सरौली मण्डल तामेश्वरनाथ खण्ड में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में होसबोले ने अपने उद्बोधन की शुरूआत मगहर की दिव्य भूमि पर स्थापित कबीर दास की परिनिर्वाण स्थली को नमन करते हुए की और कहा कि कबीर समाज सुधारक और सच्चे राष्ट्रभक्त संत थे। जिन्होंने समाज को सूत्र में बांधने का काम किया था। आज भी उनके विचारों, रचनाओं को पढ़ कर उसे अपने जीवन में उतारने से समाज को नई दिशा दी जा सकती है।विस्तृत समाचार के लिए हमारी से

# घने कोहरे के बीच दिल्ली-आगरा एक्सप्रेसवे पर हादसे में 13 की मौत, 43 घायल

**नई दिल्ली:** पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह यहां यमुना एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे में कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं, जिससे आग लग गई और 13 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि 43 लोग घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 4.30 बजे घने कोहरे में आठ बसें और तीन छोटी गाड़ियां आपस में टकरा गईं।

मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए कई गाड़ियों की टक्कर में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। मृतकों में से एक प्रयागराज, एक गोंडा और एक आजमगढ़ का था। उन्होंने बताया कि हादसे के अन्य पीड़ितों की पहचान करने की कोशिशें जारी हैं। हादसे में घायल सभी 60 लोगों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिला मजिस्ट्रेट ने इस भयानक सड़क हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (वित्त और राजस्व) हादसे के कारणों और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के उपायों पर एक जांच रिपोर्ट सौंपेंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि पुलिस द्वारा FIR दर्ज की जा रही है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस दुखद हादसे का संज्ञान लिया है। प्रशासन मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता देगा। यह हादसा आज सुबह यमुना एक्सप्रेसवे पर बलदेव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के तहत माइलस्टोन 127 पर हुआ। 11 गाड़ियों की टक्कर के बाद उनमें से 10 में भीषण आग लग गई। कम से कम

14 फायर टेंडरों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चार घंटे के बचाव अभियान के बाद आगरा-नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात बहाल कर दिया गया। मथुरा के CMO डॉ. राधा वल्लभ ने आज बताया कि DNA सैंपल के जरिए शवों की पहचान के लिए मेडिकल टीमें तैनात की गई हैं, साथ ही उन्होंने बताया कि शवों की कुल संख्या अभी भी कन्फर्म नहीं है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि पोस्टमॉर्टम जांच चल रही है और पूरी मेडिकल टीम को तैनात कर दिया गया है। 'हाइवे पर कई बसों के आपस में टकराने से एक हादसा हुआ। इसके बाद आग लग गई... हमारे पास अभी तक शवों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। यहां अभी पोस्टमॉर्टम जांच की जा रही है। दो टीमें इसमें लगी हुई हैं, और हमारी पूरी मेडिकल टीम पूरी तरह से तैनात है...' उन्होंने कहा। वल्लभ ने आगे बताया कि शवों की पहचान DNA सैंपल से की जाएगी।

## एनएसए में बंद सांसद अमृतपाल सिंह की हाईकोर्ट में वीडियो पेशी, कहा-नजरबंदी से खडूर साहिब का संसदीय काम ठप

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)।** राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह ने मंगलवार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होकर कहा कि उनकी नजरबंदी के चलते उनके संसदीय क्षेत्र का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। उन्होंने अदालत को बताया कि बाढ़, नशे और कथित फर्जी मुठभेड़ों जैसे गंभीर जनहित के मुद्दे संसद के पटल तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

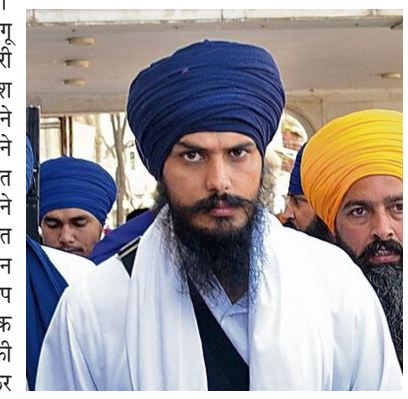

चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ के समक्ष पेश होते हुए अमृतपाल सिंह ने वकीलों के काम से विरत रहने की स्थिति में स्वयं अदालत को संबोधित किया। उन्होंने दलील दी कि एनएसए के तहत उनकी लगातार हिरासत ने न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया है, बल्कि उनके पूरे संसदीय क्षेत्र की कार्यप्रणाली भी बाधित कर दी है।

अमृतपाल सिंह ने कहा कि उन्होंने इन मुद्दों को संसद में उठाने के लिए सशर्त जमानत की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला केवल उनका निजी नहीं है, बल्कि उन मतदाताओं से जुड़ा है, जिन्होंने उन्हें संसद में अपनी आवाज बनने के लिए चुना है। उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग आज संसद में प्रतिनिधित्व से वंचित हो रहे हैं।

सफेद कुर्ता और नीली पगड़ी में नजर आए अमृतपाल सिंह ने अंग्रेजी और पंजाबी के मिश्रित स्वर में अपनी बात रखते हुए कहा, 'भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक निर्वाचित प्रतिनिधि का अधिकार और दायित्व है कि वह संसद में जनहित के मुद्दे उठाए। लेकिन मुझ पर लगाया गया एनएसए अब तीसरे वर्ष में बढ़ाया जा चुका है। बाढ़, नशा और अन्य गंभीर समस्याओं को संसद में उठाना जरूरी है।'

## DGP और अन्य को कारण बताओ नोटिस, पुलिस उपायुक्त निलंबित

**कोलकाता-** पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को पिछले सप्ताह साल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान कथित कुप्रबंधन को लेकर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

मुख्य सचिव मनोज पंत के कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार ने बिधाननगर के पुलिस उपायुक्त अनीश सरकार को भी निलंबित कर दिया है। साल्ट लेक फुटबॉल स्टेडियम में 13 दिसंबर को हुए आयोजन के दौरान कथित कुप्रबंधन की जांच के लिए गठित जांच समिति की सिफारिशों के बाद यह कार्रवाई की गई। डीजीपी राजीव कुमार को जारी कारण बताओ नोटिस में कार्यक्रम स्थल पर सामने आईं खामियों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

जवाब देने के लिए 24 घंटे की समय सीमा निर्धारित की गई है। धाननगर पुलिस आयुक्त मुकेश कुमार को भी इसी तरह का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और उनसे उस कार्यक्रम के प्रबंधन में आयुक्त कार्यालय की भूमिका एवं आचरण को स्पष्ट करने के लिए कहा गया, जिसके फलस्वरूप शनिवार को स्टेडियम परिसर के भीतर दर्शकों द्वारा बड़े पैमाने पर अराजकता और तोड़फोड़ की गयी थी। राज्य सरकार ने बिधाननगर के उपायुक्त को निलंबित कर दिया है। घटना वाले दिन कर्तव्य में कथित लापरवाही के लिए उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की है। युवा मामले एवं खेल विभाग के प्रधान सचिव राजेश कुमार सिन्हा को भी कथित लापरवाही को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साल्ट लेक स्टेडियम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी देब कुमार नंदन की सेवाएं तत्काल प्रभाव से वापस ले ली गई हैं।

# मुख्यमंत्री ने पंजाब को यू.के. के लिए निवेश हब के रूप में प्रस्तुत किया

## पंजाब और ब्रिटेन ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को लेकर आशा व्यक्त की

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां पंजाब–यू.के. रणनीतिक संवाद सत्र की अध्यक्षता करते हुए ब्रिटेन के साथ, विशेष रूप से अब तक कम उपयोग में आए क्षेत्रों में, मजबूत और व्यापक रणनीतिक व व्यावसायिक संबंधों पर बल दिया।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर अल्बा समैरिग्लियो तथा यू.के. से जुड़ी विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पारंपरिक और उभरते हुए नए क्षेत्रों में यू.के. के साथ मजबूत व्यावसायिक साझेदारी के लिए इच्छुक है। उन्होंने बताया कि राज्य ने सहयोग के पांच प्रमुख क्षेत्रों—उच्च शिक्षा, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट्स तथा कृषि और फूड प्रोसेसिंग—के साथ-साथ फार्मास्यूटिकल एवं स्वास्थ्य सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक सेवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों की भी पहचान की है।

भगवंत सिंह मान ने पंजाब की क्षमताओं को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत खाका प्रस्तुत किया और बताया कि राज्य में पांच हवाई अड्डों तथा मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग संपर्कों के साथ विश्वस्तरीय और सुदृढ़ कनेक्टिविटी नेटवर्क उपलब्ध है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के पास अत्यधिक कुशल कार्यबल है, जो हर क्षेत्र के विकास की कुंजी है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब तुलनात्मक रूप से किफायती और शांतिपूर्ण श्रमबल उपलब्ध कराता है, जो इसे निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाता है। उन्होंने बताया कि राज्य में एकीकृत निवेश प्रणाली मौजूद है और 'इन्वेस्ट पंजाब' सिंगल-विंडो सिस्टम के रूप में कार्य करता है, जो डीम्ड अप्रूवल तंत्र के साथ निर्धारित समय-सीमा में सभी आवश्यक मंजूरियां प्रदान करता है, जिससे निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है। मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक पोर्टल और सिंगल-विंडो सुविधा पर भी प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनुपालनों के बोझ को कम करना और पंजाब में व्यापार को अधिक सुगम बनाना है।

भविष्य के अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक प्रगति को तेज करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। उन्होंने यू.के. से मजबूत संबंध रखने वाली विभिन्न कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया, जिनमें से कई ने पंजाब के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया। मुख्यमंत्री ने यू.के. के निवेशकों को पंजाब में अपने कारोबार शुरू करने या विस्तार करने का हार्दिक आमंत्रण दिया और कहा कि मजबूत आधारभूत ढांचा, निर्बाध बिजली आपूर्ति और निवेशक-अनुकूल नीतियां पंजाब को एक आदर्श निवेश गंतव्य बनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने यू.के. के निवेशकों को मोहाली में आयोजित होने वाले पंजाब प्रगतिशील निवेशक सम्मेलन (पी पी आई एस ), 2026 में भाग लेने का आमंत्रण देते हुए इस दौरान एक विशेष यू.के.-केंद्रित सत्र का प्रस्ताव रखा।

# हांसी बना हरियाणा का 23वां जिला, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की घोषणा

## मुख्यमंत्री ने हांसी को दी विकास परियोजनाओं की सौगात, 77.30 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

**हिन्द जनपथ**

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को हांसी में आयोजित विकास रैली को संबोधित करते हुए हांसी को प्रदेश का 23वां जिला बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सप्ताह में इसका नोटिफिकेशन भी जारी हो जाएगा, जिसके बाद रेवेन्यू के नजरिए से भी हांसी जिला बन जायेगा। रैली में उपस्थित भारी भीड़ ने हांसी को जिला बनाने की घोषणा पर जोरदार नारे लगाकर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने हांसी में 77 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत की 3 विकास परियोजना का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वीरों की भूमि तथा कभी हिंदुस्तान की दहलीज के रूप में विख्यात और देश के लिए मर-मिटने वाले देशभक्तों को जन्म देने वाली हांसी की पावन भूमि को वो नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि सन् 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हांसी के लोगों न महान बलिदान दिए थे। यहां की लाल सड़क अंग्रेजों द्वारा किये गए नरसंहार की साक्षी है। अंग्रेजों ने यहां आजादी के अनेक मतवालों को गिरड़ी फेर कर कुचलवा दिया था। इससे पहले भी हांसी का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह नगर कभी आसी और असीगढ़ नाम से प्रसिद्ध था। सम्राट हर्ष के समय हांसी सतलज प्रांत की राजधानी थी।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हांसी क्षेत्र के विकास में सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। 11 वर्षों के कार्यकाल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 11 सालों में हांसी विधानसभा क्षेत्र में 1 हजार 8 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्य करवाए हैं। जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में केवल 253 करोड़ रुपये की लागत के ही काम हुए थे।

### संकल्प पत्र के 54 वायदे पूरे किए

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 54 वादों को एक साल में ही डबल इंजन की सरकार ने पूरा कर दिखाया है। यही नहीं, 163 वादों पर काम प्रगति पर है। यह एक वर्ष का समय भले ही कम है, लेकिन सरकार ने जिस नॉन-स्टाप विकास का संकल्प लिया था, उसकी सिद्धि में यह एक वर्ष विकास की तिगुणी गति का साक्षी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास और हर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' के बारे में कहा कि सरकार द्वारा योजना के तहत 2100 रुपये की वितीय सहायता दी जा रही है। अब तक दो किस्तों में 7 लाख से अधिक बहन-बेटियों को 258 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसी प्रकार, गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए सरकार द्वारा हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। यह लाभ प्रदेश के लगभग 14 लाख 70 हजार परिवारों को मिल रहा है।

### कांग्रेस किसानों का 269 करोड़ का मुआवजा बकाया छोड़ गई

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसान हित का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कर रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 15 हजार 448 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। जबकि कांग्रेस सरकार के 10 साल के शासनकाल में 1 हजार 138 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की गई थी। कांग्रेस सरकार किसानों की 269 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि बकाया छोड़कर चली गई थी, जिसे बीजेपी सरकार ने 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद 2015 में जारी किया था। इतना ही नहीं, बीजेपी सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है। साथ ही जमीनों व सम्पत्तियों का पेपरलेस रजिस्ट्रेशन शुरू किया है। अब रजिस्ट्री का काम पूरी तरह डिजिटल हो गया है।

उन्होंने कहा कि सोनीपत से मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का दूसरा चरण शुरू किया गया है। सरकार का लक्ष्य इसके माध्यम से गरीब से गरीब परिवार की वार्षिक आय कम से कम 1 लाख 80 हजार रुपये करना है। सरकार ने वंचित रह गई अनुसूचित जातियों को आरक्षण में उनका अधिकार देने का काम भी किया है। साथ ही सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 200 रुपये बढ़ोतरी करके इसे 3,200 रुपये मासिक किया है। वहीं, पिछड़ा वर्ग की क्रीमिलेयर आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया है। पिछड़ा वर्ग-बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों के सिर पर छत उपलब्ध करवाने के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत 1 लाख 56 हजार मकान दिये गये हैं। गरीब परिवारों को 'मुख्यमंत्री आवास योजना-शहरी' के तहत 14 शहरों में 15 हजार 765 गरीब परिवारों को प्लॉट दिए हैं। 'मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के तहत ग्राम पंचायतों में 12 हजार 31 प्लॉट दिए हैं। अब धन के अभाव में कोई भी गरीब इलाज से वंचित नहीं रहता। 'आयुष्मान भारत-चिरायु योजना' में 25 लाख 39 हजार मरीजों का 4,126 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज किया गया है।

## डॉ. शांडिल 17 दिसम्बर को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

**सोलन।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 17 दिसम्बर, 2025 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आ रहे हैं। डॉ. शांडिल 17 दिसम्बर, 2025 को प्रातः 11.50 बजे ग्राम पंचायत कोट में पंचवटी पार्क, सामुदायिक भवन कटोह तथा सामुदायिक भवन लछोग का लोकार्पण करेंगे।

## कृषि मंत्री ने निर्माणाधीन अतिरिक्त कृषि निदेशक कार्यालय भवन का किया निरीक्षण

**धर्मशाला ।** कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रोफेसर चंद्र कुमार ने आज धर्मशाला में निर्माणाधीन अतिरिक्त कृषि निदेशक कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि लगभग 253 लाख रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस भवन को शीघ्र ही जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। प्रोफेसर चंद्र कुमार ने कहा कि इस भवन में अतिरिक्त कृषि निदेशक के कार्यालय के साथ-साथ भू-स्थानिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) केंद्र की भी स्थापना की जाएगी। यह केंद्र विभिन्न फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल, फसल उत्पादन का पूर्वानुमान, सूखा एवं ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव का आकलन करने तथा कृषि क्षेत्र में होने वाले नुकसान के वैज्ञानिक विश्लेषण में सहायक सिद्ध होगा।

निरीक्षण उपरांत कृषि मंत्री ने अतिरिक्त कृषि निदेशक डॉ. राहुल कटोच एवं उप कृषि निदेशक के साथ बैठक कर कृषि विभाग द्वारा किसानों के कल्याण हेतु किए जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत उत्तरी क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के लिए 18 दिसंबर 2025 को कृषि विभाग के उत्तरी जोन में कार्यरत उप कृषि निदेशक, विषय विशेषज्ञ, कृषि विकास अधिकारी तथा आत्मा परियोजना के अधिकारियों की एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने अतिरिक्त कृषि निदेशक को यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में संचालित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम की समग्र समीक्षा हेतु एक विशेष प्रपत्र तैयार किया जाए तथा उत्तरी क्षेत्र में कार्यरत आत्मा परियोजना के सभी अधिकारियों से आवश्यक सूचनाएँ एकत्रित कर भविष्य के लिए एक ठोस कार्य योजना तैयार की जाए।

## कुलदीप पठानियां ने संसद भवन में सोनिया गांधी के साथ की शिष्टाचार भेंट

**नई दिल्ली।** हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां जो पिछले दो दिनों से दिल्ली प्रवास पर हैं ने आज यू0पी0ए0 की पूर्व अध्यक्षा, राज्य सभा सांसद तथा कांग्रेस की वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी से संसद भवन में शिष्टाचार भेंट की। विधान सभा अध्यक्ष ने उनके साथ हिमाचल प्रदेश विधान सभा की कार्यप्रणाली तथा प्रदेश से सम्बन्धित कई सामाजिक एवं प्रशासनिक जानकारियां सांझा की। इसी दौरान पठानियां ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह से भी शिष्टाचार भेंट कर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

# विदेशों में रोजगार के लिए जाने वाले युवाओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी राज्य सरकार: प्रो. चंद्र कुमार

**धर्मशाला।** कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रोफेसर चंद्र कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार विदेशों में रोजगार के लिए जाने वाले युवाओं के हितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश के युवाओं को विदेशों में रोजगार के लिए भेजने की प्रक्रिया पूरी तरह सरकारी निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही के दायरे में लाई जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार के शोषण, धोखाधड़ी या उत्पीड़न की आशंका को समाप्त किया जा सके। उन्होंने चयनित होने वाले युवाओं को शुभकामनायें दीं और उनका आह्वान किया कि देश-विदेश में वह जहां भी कार्य करें मेहनत और ईमानदारी को सर्वोपरी रखें।

यह विचार कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रोफेसर चंद्र कुमार आज आईटीआई धर्मशाला में विदेशों में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं के लिए रोजगार कार्यालय के द्वारा आईटीआई दाड़ी में हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम और जेएसडीएस के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में डिलीवरी राइडर्स, वेयरहाउस हेल्पर्स एवं पिकर्स के पदों के लिए आयोजित रोजगार मेले के दौरान व्यक्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विदेश में रोजगार के इच्छुक युवा रोजगार मेले में पहुंचे। प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि पूर्व में प्रदेश के अनेक युवा बेहतर रोजगार की तलाश में विदेशों में जाते थे, लेकिन निजी एवं अनाधिकृत एजेंटों के माध्यम से जाने के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। इन्हीं अनुभवों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विदेश रोजगार नीति में व्यापक और संरचनात्मक सुधार किए हैं।

कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने बताया कि अब राज्य सरकार स्वयं अधिकृत एवं विश्वसनीय एजेंसियों के माध्यम से युवाओं के लिए स्पॉन्सरशिप की व्यवस्था कर रही है। इन एजेंसियों का चयन पूरी जांच-पड़ताल के बाद किया जा रहा है तथा उनकी कार्यप्रणाली पर सरकार की निरंतर निगरानी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार और एजेंसियों के बीच निर्धारित शर्तों के अनुसार ही युवाओं को विदेश भेजा जाएगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि विदेश भेजे जाने से पूर्व युवाओं की दक्षता, कौशल एवं प्रोफिशिएंसी का समुचित मूल्यांकन किया जाए, ताकि उन्हें उनकी योग्यता और अनुभव के अनुरूप कार्य मिल सके और वे विदेश में सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित, भरोसेमंद और सम्मानजनक व्यवस्था के तहत भविष्य संवारने का अवसर देना है। राज्य सरकार चाहती है कि हिमाचल का युवा एक संगठित और संरक्षित प्रणाली का हिस्सा बने, जहां एजेंसियां, नियोक्ता और श्रमिक एक मजबूत श्रृंखला के रूप में जुड़े हों।

प्रो. चंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह नीति प्रदेश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से युवाओं का शोषण रुकेगा। इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने उपस्थित युवाओं से आह्वान किया कि वे विदेश रोजगार से संबंधित अवसरों के लिए केवल सरकारी माध्यमों का ही चयन करें और किसी भी अवैध एजेंट या दलाल के झांसे में न आएं। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और रोजगार मेले के बारे में विभिन्न पहलुओं बारे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में 200 से अधिक युवाओं को साक्षात्कार आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक कृषि राहुल कटोच, उप निदेशक कृषि कुलदीप धीमान, आईटीआई दाड़ी के प्रधानाचार्य राजेश कुमार पुरी, जेएसडीएस जालंधर के पदाधिकारी गुरजीत सिंह, जिला रोजगार अधिकारी आकाश राणा के अतिरिक्त अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विदेशों मे रोजगार के इच्छुक युवा और आईटीआई के छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

# 21 दिसंबर को पांच वर्ष आयु वर्ग बच्चों को पिलाई जाएगी दो बूंद जिंदगी की: विनय कुमार

### पल्स पोलियो अभियान के सफल आयोजन को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

**धर्मशाला ।** जिला कांगड़ा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 21 दिसंबर, 2025 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से आज मंगलवार को जिला टास्क फोर्स फॉर इम्यूनाइजेशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त कांगड़ा विनय कुमार ने की।

अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रहे और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी बच्चा बिना पोलियो की दवाई के छूट न जाए। उन्होंने कहा कि हालांकि देश और प्रदेश में पोलियो अब नियंत्रण में है लेकिन इस सुरक्षा कवच को बनाये रखा जाये। इसके साथ ही उन्होंने जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु आईईसी गतिविधियों, अंतर-विभागीय समन्वय तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक करोल ने सभी संबंधित विभागों से इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश सूद ने 21 दिसंबर को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान से संबंधित कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जिले में शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद जिंदगी की पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक के दौरान बूथ स्तर की व्यवस्थाओं, मोबाइल टीमों की तैनाती, पर्यवेक्षण, लॉजिस्टिक प्रबंधन तथा दूरस्थ एवं कठिन पहुंच वाले क्षेत्रों तक पहुंच सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अभियान की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि 21 दिसंबर, 2025 को जिला कांगड़ा में पल्स पोलियो अभियान को पूर्णतः सफल बनाया जा सके। बैठक में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महिमा कौल, एएमओ डॉ. शिखा, आईपीओ प्रवीण कुमार, एमओ डॉ. अपूर्व त्रिखा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल कल्याण) अशोक कुमार, जिला पंचायत अधिकारी विक्रम ठाकुर, चिन्मय मिशन की सेवा शाखा कार्ड और रोटरी क्लब के प्रतिनिधि अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों और जिला के सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम ने भाग लिया।

## शाहपुर क्षेत्र में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं, स्थानीय आर्थिकी होगी सुदृढ़: केवल सिंह पठानिया

● क्षेत्र में पर्यटन विकास को लेकर मुख्यमंत्री से कांगड़ा एयरपोर्ट पर की विस्तृत चर्चा

**धर्मशाला ।** उप मुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पठानिया ने कहा है कि कांगड़ा जिला में पर्यटन विकास को लेकर राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है और इस दिशा में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को साकार रूप दिया जा रहा है। इन प्रयासों से न केवल क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। केवल सिंह पठानिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आज मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह महोदय के साथ दिल्ली से लौटते समय तथा कांगड़ा एयरपोर्ट पर पर्यटन विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में मौजूद पर्यटन की व्यापक संभावनाओं से अवगत करवाया।

उन्होंने कहा कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के धारकण्डी क्षेत्र में बोह वैली, तल माता मंदिर, नड्डी, गुणामाता मंदिर तथा खबरू वॉटर फॉल जैसे अनेक प्राकृतिक व धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल स्थित हैं। यहां की सुंदर, शांत और मनोरम वादियां पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं। इन स्थलों के सुनियोजित विकास से क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान मिल सकती है। उप मुख्य सचेतक ने कहा कि इन संभावित पर्यटन स्थलों के समुचित विकास से जहां पर्यटकों को प्रकृति के समीप समय बिताने का अवसर मिलेगा, वहीं स्थानीय लोगों की आर्थिकी भी सुदृढ़ होगी और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इन सभी स्थलों के संबंध में मुख्यमंत्री महोदय को कांगड़ा एयरपोर्ट पर विस्तार से जानकारी दी गई है। केवल सिंह पठानिया ने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा कांगड़ा जिला में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा 460 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है और इस दिशा में कार्य प्रगति पर है।

# मुख्यमंत्री ने हमीरपुर में आयोजित एंटी-चिट्टा अवेयरनेस वॉकथॉन का नेतृत्व किया

### चिट्टा रूपी दीमक को समाप्त करने की दिशा में सख्त और निर्णायक कार्रवाई कर रही सरकार: मुख्यमंत्री

**शिमला।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में मादक पदार्थ चिट्टे के खिलाफ व्यापक जन आंदोलन के तहत आज हमीरपुर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) के खेल मैदान से पुलिस लाइन दोसड़का ग्राउंड तक आयोजित एंटी चिट्टा जागरूकता

वॉकथॉन का नेतृत्व किया, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने भाग लिया। इनमें भारी संख्या में विद्यार्थी, जन प्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने वॉकथॉन आरम्भ होने से पहले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) के खेल मैदान में उपस्थित लोगों को चिट्टे और मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ जागरूकता शपथ भी दिलाई।

पुलिस लाइन ग्राउंड दोसड़का में उपस्थित जनसैलाब को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल चिट्टे के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ रहा है। प्रदेश में युवाओं के भविष्य को खोखला कर रहे चिट्टा जैसे घातक नशे के विरुद्ध राज्य सरकार आर-पार की लड़ाई लड़ रही है। चिट्टा रूपी दीमक को समाप्त करने की दिशा में सख्त और निर्णायक कार्रवाई की जा रही है। नशे के इस अवैध नेटवर्क से जुड़े तस्करों, सप्लायरों और उनका संरक्षण देने वालों पर एक-एक कर शिकंजा कसा जा रहा है। चिट्टा के कारोबार से जुड़े संगठित गिरोहों की कमर तोड़ने के लिए तकनीक, खुफिया तंत्र और कड़े कानूनों का प्रभावी इस्तेमाल किया जा रहा है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने संकल्प के अनुसार चिट्टा सौदागरों की पहचान, नाम और नेटवर्क सब मिटा देगी। यह जन आंदोलन, प्रदेश के लोगों की पुकार और हिमाचल की अस्मिता का युद्ध है। उन्होंने कहा कि इस महा आंदोलन को आरम्भ हुए 30 दिन हो चुके हैं। इस दौरान 22 नवम्बर को हिमाचल के इतिहास में पहली बार पूरे प्रदेश में पुलिस द्वारा एक साथ 121 स्थानों पर छापामारी की गई। बड़े तस्करों के नेटवर्क पर सीधा प्रहार किया गया तथा तीन दिन बाद 41 शिक्षण संस्थानों, 598 दुकानों, बाजारों और कॉलेजों के आसपास गहन छानबीन की गई। 12 एनडीपीएस मामले दर्ज किए गए और 385 चालान किए गए।

उन्होंने कहा कि 7 दिसंबर को पीआईटी एण्ड एनडीपीएस के तहत एक साथ प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से 16 नामी तस्करों को हिरासत में लिया गया। इस अधिनियम के तहत अब तक 63 तस्कर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। 1214 तस्कर और संदिग्धों की पहचान तथा 950 अवैध संपत्तियां सीमांकित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकार के कार्यकाल के दौरान तीन वर्ष में एनडीपीएस के तहत 13 करोड़ रुपये की चल-अचल सम्पत्ति जब्त की गई थी, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान अब तक 50 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल जब्त की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चिट्टे के खिलाफ बहुस्तरीय व बहुआयामी कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश में नशा निवारण केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश में नशा मुक्ति रोकथाम एवं पुनर्वास बोर्ड का गठन भी किया गया है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हम नशे के चंगुल में फंसे युवाओं को समाज की मुख्य धारा में ला रहे हैं। उन्होंने प्रहारक शब्दों में कहा कि चिट्टे के माफिया और उनसे जुड़े तस्करों की सूचना देने वालों को दस हजार रुपये से 10 लाख रुपये तक ईनाम दिया जाएगा और गोपनीयता 100 प्रतिशत होगी।

# मुख्यमंत्री ने नादौन-हमीरपुर-घुमारवीं-दिल्ली वॉल्वो बस सेवा का शुभारंभ किया

**शिमला।** मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज हमीरपुर में आयोजित चिट्टा विरोधी मेगा वॉकथॉन के उपरांत हिमाचल पथ परिवहन निगम की नादौन-हमीरपुर-घुमारवीं-दिल्ली वॉल्वो बस सेवा का शुभारंभ किया। यह बस रोजाना सुबह 7 बजे नादौन से चलेगी। इसका हमीरपुर से चलने का समय 8 बजे, घुमारवीं से 9 बजे और चंडीगढ़ से 11:40 होगा तथा यह शाम को 4:40 पर दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में यह बस दिल्ली से सुबह 8:30 बजे चलेगी और शाम को 6:30 बजे नादौन पहुंचेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और जन सुलभ बनाने के लिए अनेक महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए यात्रा शुल्क का भुगतान अब यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से संभव है। हिमाचल पथ परिवहन निगम देश का ऐसा पहला राज्य परिवहन उपक्रम बन गया है जिसने नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड सुविधा आरंभ की है। इस कार्ड से दिल्ली मेट्रो, दिल्ली परिवहन निगम, हरियाणा रोडवेज तथा पश्चिम मुंबई की बसों सहित पूरे देश में यात्रा की जा सकेगी। रियायती और मुफ्त यात्रा के लिए हिम बस कार्ड, हिम बस प्लस कार्ड और ग्रीन कार्ड जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। परिवहन निगम के बेड़े में 297 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल की जा रही हैं। 25 स्टेट ऑफ द आर्ट वॉल्वो बसों को परिवहन बेड़े में शामिल करने से निगम में वॉल्वो बसों की संख्या बढ़कर 98 हो गई है। 50 टेंपो ट्रैवलर और 24 सुपर लगजरी बसें भी खरीदी गई हैं। 250 डीजल बसें, 100 मिनी बसें और चार क्रेनों की खरीद प्रक्रिया प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 234 नए बस रूट जारी किए जा रहे हैं तथा 18 सीटर तक के टेंपो ट्रैवलर वाहनों के संचालन के लिए 350 नए परमिट आवंटन की प्रक्रिया जारी है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हरित परिवहन को प्रोत्साहन देने के लिए छह ग्रीन कॉरिडोर पर 88 पेट्रोल पंप और 41 स्थलों में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त राज्य के विश्राम गृह और सरकारी कार्यालयों सहित विभिन्न स्थानों पर 310 चार्जिंग स्टेट स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी के आधार पर 41 अन्य स्थलों पर भी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं।

## पंचायत स्तर पर एंटी चिट्टा अभियान को किया जाएगा और तेज: उपायुक्त हेमराज बैरवा

● देहरा नशा निवारण समितियों को निगरानी के दिए टिप्स ● पुलिस थाना देहरा का भी किया निरीक्षण

**देहरा ।** उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने आज देहरा में नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन सेंटर की बैठक की अध्यक्षता करते हुए देहरा क्षेत्र में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को और अधिक गति एवं स्पष्ट दिशा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला से चिट्टा सहित सभी मादक पदार्थों को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रशासन, पुलिस और समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रभावी प्रयास करने होंगे। उपायुक्त ने कहा कि देहरा पुलिस जिला की सात अत्यधिक संवेदनशील पंचायतों में नशे की गतिविधियों पर नियमित और सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाएगा। उन्होंने बताया कि इन पंचायतों में नशा निवारण समितियों का गठन किया जा चुका है तथा इन समितियों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रत्येक समिति को नियमित रूप से नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन सेंटर की बैठकें आयोजित करने को भी कहा, ताकि जमीनी स्तर पर नशे की रोकथाम के प्रयासों की समीक्षा की जा सके।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने युवाओं, अभिभावकों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, महिला मंडलों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

### आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

## न्यूज डायरी

## मोहाली की अदालत ने हेड कांस्टेबल को 4 साल की सख्त कैद और 20,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए विजिलेंस ब्यूरो ने मोहाली के हेड कांस्टेबल सुखविंदर सिंह को जाल बिछाकर रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। आज मोहाली की अदालत ने उसे दोषी ठहराते हुए 4 साल की सख्त कैद और 20,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी हेड कांस्टेबल सुखविंदर सिंह ने जमानत दिलाने में मदद करने के लिए शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी।

प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले की शिकायत शिकायतकर्ता द्वारा विजिलेंस विभाग के पास दर्ज कराई गई थी। आरोपी हेड कांस्टेबल सुखविंदर सिंह को 3,000 रुपये रिश्वत दी गई थी और इस संबंध में उसकी बातचीत रिकॉर्ड कर ली गई थी। इसके बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और सरकारी अधिकारियों/गवाहों की मौजूदगी में आरोपी हेड कांस्टेबल सुखविंदर सिंह के पास से 3,000 रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई तथा उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

## 'युद्ध नशों विरूद्ध': 290वें दिन, पंजाब पुलिस ने 76 नशा तस्करों को 2.2 किलोग्राम हेरोइन, 10 किलोग्राम अफीम सहित किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलायी नशा विरोधी मुहिम "युद्ध नशों विरूद्ध" के लगातार 290वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज 263 स्थानों पर छापेमारी की। इसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 57 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही, 290 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या अब 40,410 हो गई है।

छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 2.2 किलोग्राम हेरोइन, 10 किलोग्राम अफीम, 36 किलोग्राम भुक्की, 1,010 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 1,520 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का भी गठन किया है।

60 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से ज्यादा पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 263 स्थानों पर छापेमारी की। इस दिनभर चले अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 264 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

राज्य सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति- प्रवर्तन, डी-एडिक्शन और रोकथाम-लागू की है। 'नशा छुड़ाओ' के तहत पंजाब पुलिस ने आज 25 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार कराने के लिए राज़ी किया है।

## पंजाब में अराजकता अपने चरम पर, कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर : चुग

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने मोहाली में कबड्डी खिलाड़ी की सरेआम हत्या को पंजाब में फैली अराजकता और कानून व्यवस्था के पूर्ण पतन का प्रतीक बताया। चुग ने कहा कि सरेआम एक खिलाड़ी की हत्या हो जाती है और पूरी मान सरकार मौन साधे बैठी है, जो बेहद शर्मनाक और चिंताजनक है।

चुग ने कहा कि पंजाब में भगवंत मान सरकार के संरक्षण में गैंगस्टर, अपराधी और हथियारबंद गिरोह बेखौफ घूम रहे हैं। जिस पंजाब ने देश को असंख्य खेल प्रतिभाएँ दीं, वहीं आज खिलाड़ी सुरक्षित नहीं हैं। यह घटना केवल एक खिलाड़ी की हत्या नहीं, बल्कि पंजाब की खेल प्रतिभा और उसकी पहचान की हत्या है।

चुग ने जोड़ा कि जिस पंजाब की धरती ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए, उसी धरती पर इस तरह की घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि आम आदमी पार्टी के शासन में पंजाब में कानून का राज समाप्त हो चुका है और जंगलराज हावी हो गया है। अपराधियों का मनोबल इस कदर बढ़ चुका है कि वे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक मंचों पर भी गोलियां चलाने से नहीं डर रहे।

तरुण चुग ने इस जघन्य अपराध की तुरंत, निष्पक्ष और प्रभावी जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब को डर और अराजकता के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता और कानून व्यवस्था बहाल करना मान सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिससे वह लगातार भागती नजर आ रही है।

## विधायक कुलवंत सिंह ने 17.71 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले चौराहों व टी-जंक्शनों के कार्य का शुभारंभ किया



हिन्द जनपथ
**साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)**। पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा मोहाली शहर के सर्वांगीण विकास के तहत आज विधायक कुलवंत सिंह ने 17.71 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले चौराहों एवं टी-जंक्शनों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाणा के सामने बनने वाले नए चौराहे के कार्य की विधिवत शुरुआत की गई।

इस परियोजना के अंतर्गत गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाणा स्थित चौराहे के साथ-साथ सेक्टर 78/79 जंक्शन तथा सीपी-67 मॉल के समीप स्थित जंक्शन का निर्माण किया जाएगा। वहीं, अपग्रेड किए जा रहे जंक्शनों में एयरपोर्ट रोड स्थित आईसर टी-प्वाइंट (जो लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है), चीमा बॉयलर चौक टी-प्वाइंट तथा क्वार्क सिटी जंक्शन शामिल हैं। इन सभी कार्यों की जिम्मेदारी मैसर्स ग्रिफ्टकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को सौंपी गई है और निर्धारित समय-सीमा के अनुसार अक्टूबर 2026 तक कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जाएगा। निर्माण कार्य आरंभ करने से पूर्व गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाणा की संपूर्ण प्रबंधक कमेटी की उपस्थिति में अरदास की गई और ईश्वर से कार्य की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा विधायक कुलवंत सिंह से आग्रह किया गया कि इस चौराहे का नाम बाबा जी के नाम पर रखा जाए। विधायक ने आश्वासन दिया कि वे सरकार से बातचीत कर इस चौराहे का नाम 'अमर शहीद जत्थेदार बाबा हनुमान सिंह जी' के नाम पर रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब की प्रबंधक समिति के सदस्य सरदार सतविंदर सिंह, सरदार हरजिंदर सिंह, जरनैल सिंह, बलदेव सिंह और प्रेम सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि मोहाली में पहले ही पांच चौराहों का निर्माण किया जा चुका है और आज जिन चौराहों के कार्य आरंभ किए गए हैं, उनसे यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी।

# "युवा शक्ति सुशासन के नए युग की आधारशिला है" — नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को सोनीपत में सीएम गुड गवर्नेंस एसोसिएट्स (CMGGA) 2025 के दूसरे चरण का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह अवसर केवल एक कार्यक्रम का उद्घाटन नहीं, बल्कि हरियाणा में सुशासन की नई परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि शासन केवल कानून और आदेश का नाम नहीं, बल्कि लोगों के दिलों को छूने और समाज की नब्ज को समझने की कला है। सुशासन तब स्थापित होता है जब हर नागरिक, किसान, मजदूर, युवा और मातृशक्ति यह महसूस करें कि सरकार उनकी अपनी है। पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा सुशासन के मुख्य स्तंभ हैं।



मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2016 में शुरू हुआ CMGGA कार्यक्रम इस सोच से प्रेरित है कि पढ़े-लिखे, ऊर्जावान युवाओं को शासन की मुख्यधारा में कैसे जोड़ा जाए। यह कोई नौकरी नहीं बल्कि युवाओं को "चेंज–मेकर" बनाने की प्रक्रिया है। अब तक 175 से अधिक एसोसिएट्स इस कार्यक्रम का हिस्सा बन चुके हैं, जो गांवों में जाकर संवाद के आधार पर समस्याओं का समाधान सुझाते हैं और वास्तविक सुशासन का धरातल मजबूत करते हैं।

हरियाणा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राखीगढ़ी की 4,600 वर्ष पुरानी सभ्यता इस भूमि की समृद्धि का प्रमाण है। CMGGA के माध्यम से 70 प्रतिशत से अधिक एसोसिएट्स आज भी नीति अनुसंधान, सामाजिक क्षेत्र और विकास कार्यों में सक्रिय हैं। 'अंत्योदय सरल' के जरिए 600 से अधिक सरकारी सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध कराई गईं, जबकि 'परिवार पहचान पत्र' से 85 प्रतिशत से अधिक परिवारों का सफल पंजीकरण हुआ। 'सक्षम हरियाणा' अभियान के अंतर्गत लगभग 14 लाख बच्चे बेहतर शिक्षा से लाभान्वित हो रहे हैं।

CMGGA-2025 के नए स्वरूप को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस चरण का मंत्र है—"नवाचार हो चुका है, अब क्रियान्वयन करना है।" इस बार ग्लोबल विलेज फाउंडेशन क्रियान्वयन एजेंसी और ऋषिहुड यूनिवर्सिटी लर्निंग पार्टनर के रूप में जुड़े हैं। कुल 27 एसोसिएट्स ग्रामीण विकास, नीति अनुसंधान, शासन, जलवायु नीति और डेटा एनालिटिक्स जैसी प्राथमिकताओं पर कार्य करेंगे। ये उम्मीदवार TISS, IIM, IIT जैसे प्रमुख संस्थानों से हैं और नीति आयोग जैसे संगठनों में कार्यानुभव रखते हैं।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। हरियाणा इस दिशा में एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने तथा नई नौकरियाँ सृजित करने के लक्ष्य पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक विस्तार नहीं बल्कि मानवीय विकास का एजेंडा है।

उन्होंने एसोसिएट्स को संदेश देते हुए कहा कि इस अवसर को केवल प्रमाणपत्र या करियर की सीढ़ी न समझें, बल्कि इसे राष्ट्र-निर्माण के मिशन के रूप में देखें। समर्पण के साथ काम करें, हर जिम्मेदारी को गंभीरता से लें, सत्यता और पारदर्शिता को कभी न छोड़ें, और नवाचार की सोच हमेशा जीवित रखें। चुनौतियाँ आएँगी, गलतियाँ होंगी, लेकिन उनसे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चा नेतृत्व है। उन्होंने गीता का संदेश उद्धृत करते हुए कहा— "अपना कर्तव्य करते रहो, फल की चिंता मत करो।"

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि CMGGA-2025 के माध्यम से हरियाणा को और अधिक मजबूत, समृद्ध, शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और सुशासित राज्य बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित हरियाणा के निर्माण की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ने का समय आ गया है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, पूर्व रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु, विधायक कृष्णा गहलावत, विधायक पवन खरखौदा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव यशपाल यादव, ग्लोबल विलेज फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमित कुमार, ऋषिहुड यूनिवर्सिटी के सीईओ साहिल अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सभी युवाओं को सुशासन को साकार करने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी है

## पंजाब विधानसभा के स्पीकर द्वारा ब्रिटिश कोलंबिया के स्पीकर के साथ मुलाकात, दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर किया विचार-विमर्श



हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। ब्रिटिश कोलंबिया विधानसभा के स्पीकर श्री राज चौहान ने आज पंजाब विधानसभा का दौरा किया। उनके साथ उनकी पत्नी, बेटी और भाई भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने पंजाब विधानसभा के स्पीकर सरदार कुलतार सिंह संधवां से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। वे ब्रिटिश कोलंबिया के पहले पंजाबी स्पीकर हैं और लंबे समय से कनाडा में रह रहे भारतीयों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। वे कनाडा में लंबे समय से सेवा निभा रहे हैं, जो पंजाबियों के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

स. संधवां ने कहा कि कनाडा की धरती पर एक "दूसरा पंजाब" बसता है, जो कनाडा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी साबित हुआ है। ब्रिटिश कोलंबिया के स्पीकर ने पंजाब के साथ व्यापार बढ़ाने और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान की इच्छा व्यक्त की, ताकि दोनों देश इसका लाभ उठा सकें।

ब्रिटिश कोलंबिया के स्पीकर ने कहा कि ब्रिटिश कोलंबिया की विधानसभा और पंजाब विधानसभा में बहुत समानताएं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों सभाएं वेस्टमिंस्टर परंपरा से जुड़े लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रतिबद्धताओं पर आधारित हैं, जिनमें जन भागीदारी, शासन में पारदर्शिता, समिति प्रणाली और कानून के शासन को बनाए रखना शामिल है। उन्होंने संबंधित संस्थानों के सर्वोत्तम अभ्यासों पर विचार-विमर्श की आशा भी व्यक्त की, जिसमें सुरक्षा, सेवाएं प्रदान करने, प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण और सदस्यों के लिए निरंतर शिक्षा शामिल है।

## मामला दंगा पीड़ितों और दुकानदारों द्वारा दिए गए धरने का...

हिन्द जनपथ
**मोहाली(ब्यूरो)**। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार लोगों द्वारा चुनी गई सरकार है। आम आदमी पार्टी की सरकार को प्रदेश के लोगों ने बड़े ही उत्साह के साथ बनाया है और लोगों द्वारा चुनी गई भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार लोगों की समस्याओं और पंजाब के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। यह बात आज मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कही।



विधायक कुलवंत सिंह आज फेज-11 में दंगा पीड़ितों और दुकानदारों द्वारा दिए जा रहे धरने के अवसर पर लोगों से मिलने के लिए पहुँचे थे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश हैं कि जो 'गमाडा' की नीति बनी हुई है, उस नीति को मुख्य रखते हुए मोहाली में जो गलत निर्माण किया गया है, उसे गिराया जाए।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं आपको यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि ये आदेश न ही हमारे हैं और न ही आम आदमी पार्टी की सरकार के हैं, परंतु इस धरने से झूठी प्रशंसा बटोरने के लिए दूसरे राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि यहाँ पहुँचकर लोगों को माननीय न्यायालय के आदेशों के संबंध में भ्रमित कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार का काम होता है लोगों की भलाई के लिए कानून बनाना और सर्वांगीण विकास करना।

विधायक कुलवंत सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहाँ बैठे सभी लोग शिक्षित और समझदार हैं और सभी यह जानते हैं कि इस कार्यवाही में हमारी सरकार का कोई हाथ नहीं है, बल्कि ये माननीय न्यायालय के आदेश हैं। नीड बेस्ड पॉलिसी वर्ष 2011 में एन.के. शर्मा और मैंने स्वयं मिलकर बनाई थी और यह नीति लागू भी हो चुकी थी, परंतु इसमें हम सभी का दोष है जो यहाँ बैठे हैं। हमने उस समय जो सरकारी शुल्क था वह नहीं भरा और न ही आवेदन पत्र भरे गए। तय समय सीमा के भीतर हमने इस संबंध में कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया, इस कारण उस नीति की समय सीमा निकल गई, जिसकी वजह से हम सभी आज दुखी और परेशान हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया, 'आज भी मेरा यह पूर्ण प्रयास है कि आवश्यकता आधारित नीति को लागू करवाया जाए। मैं अब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के संज्ञान में लाकर इसे लागू करवाने का प्रयास अवश्य करूँगा।

# पंजाब सरकार की ओर से शहीदी सभा के अवसर पर संगत के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, आवागमन, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। फतेहगढ़ साहिब की पावन धरती पर शहीदी सभा के अवसर पर छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी की महान कुर्बानी को नमन करने के लिए दुनिया भर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए किए गए प्रबंधों की विस्तार से जानकारी देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज बताया कि संगत के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, आवागमन, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य इंतजाम व्यापक स्तर पर किए गए हैं ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई कठिनाई न आए।



आज यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि संगत की बड़ी आमद को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 20 आम आदमी क्लीनिक और 5 डिस्पेंसरी स्थापित की जा रही हैं जहां विशेषज्ञ डॉक्टर और अन्य स्टाफ मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों और डिस्पेंसरियों के लिए दवाइयां तथा अन्य सामान की व्यवस्था कर ली गई है।

दशमेश पिता साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की महान कुर्बानी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे साहिबजादों द्वारा अंतर्मन की आवाज के अनुसार धर्म अपनाने के मानवीय अधिकार की रक्षा के लिए दी गई अनुपम कुर्बानी मानव इतिहास में अनूठी घटना है। उन्होंने कहा कि सिख इतिहास में इस कुर्बानी को 'छोटी जिंदगियों' के 'बड़े साके' के नाम से याद किया जाता है। इस साके को हुए भले ही तीन शताब्दियों से अधिक समय बीत गया हो, लेकिन समूचे सिख जगत द्वारा इसकी पीड़ा आज भी बड़ी तीव्रता से महसूस की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब सरकार द्वारा शहर में संगत के आने-जाने के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा देने हेतु 'इंटर सिटी शटल बस सेवा' शुरू की जाएगी और शहीदी सभा के दौरान 200 शटल बसें तथा 100 ई-रिक्शा संगत के लिए तैनात होंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये बसें और ई-रिक्शा बाहर से आने वाली संगतों को पार्किंग स्थलों से गुरुद्वारा साहिब और अन्य स्थानों तक ले जाएंगे। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए इस बार गूगल कंपनी की सेवाएं भी प्राप्त की जा रही हैं जो फतेहगढ़ साहिब आने वाली सड़कों पर ट्रैफिक की स्थिति के बारे में सटीक जानकारी देगी ताकि किसी सड़क पर अधिक ट्रैफिक होने की स्थिति में तुरंत वैकल्पिक प्रबंध किए जा सकें। उन्होंने बताया कि वाहनों के ठहराव के लिए पांच बड़ी पार्किंग और 16 छोटी पार्किंग बनाई गई हैं।

- **लगभग 50 लाख संगत छोटे साहिबजादों और माता गुजरी जी को श्रद्धा एवं सम्मान भेंट करेगी**
- **निर्विघ्न आवागमन सुनिश्चित करने के लिए गूगल कंपनी की सेवाएं ली जाएंगी, फतेहगढ़ साहिब आने वाले रास्तों पर ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी मिलेगी**

शहीदी सभा के अवसर पर लोगों की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 3300 से अधिक पुलिस जवान संगतों की सहायता के लिए ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है जहां संगत की सुविधा के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर 0176-3232838 भी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि शहर की प्रमुख जगहों पर 300 सी.सी. टी.वी कैमरे लगाए जा रहे हैं ताकि समाज विरोधी तत्वों पर पैनी नजर रखी जा सके।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि पूरे शहर पर ड्रोन गिद्ध की तरह नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि मोबाइल सेवाओं को सुचारू रखने के लिए मोबाइल कंपनियों द्वारा अस्थायी तौर पर टावर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 60 एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड गाड़ियां तैनात होंगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना से तुरंत निपटा जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर की सफाई का काम सबसे महत्वपूर्ण होता है जिसके लिए विभिन्न जिलों से मशीनरी मंगवाकर सफाई करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि सफाई के लिए वॉलंटियरों की टीमें तैनात होंगी जो शिफ्टों में दिन-रात ड्यूटी निभाएंगी ताकि शहर की पवित्रता बनाए रखी जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा शहीदी सभा के दौरान फतेहगढ़ साहिब की पवित्र धरती पर विशाल रक्तदान शिविर लगाया जाएगा ताकि मानवता की सेवा में योगदान दिया जा सके।

# भारत के टेक्सटाइल की नई ग्लोबल पोज़िशनिंग

लेखक: केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह



जब हम भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की बात करते हैं, तो हम केवल फैक्ट्री, मशीनों और फैशन की नहीं, बल्कि उन करोड़ों भारतीयों की बात करते हैं, जिनकी ज़िंदगी कॉटन के खेतों, हैंडलूम, पावरलूम और सिलाई मशीनों से जुड़ी है।

पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जिस व्यापक सोच, दृढ़ संकल्प और निर्णायक नीतिगत सुधार को इस क्षेत्र ने देखा है, उससे आज टेक्सटाइल सेक्टर एक नए आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। आज जब हम टेक्सटाइल सेक्टर में लागू हालिया सुधारों के प्रभाव की बात करते हैं, तो यह केवल बदलाव नहीं, बल्कि किसानों, उद्यमियों, महिलाओं, बुनकरों, तकनीशियनों और युवाओं की नई संभावनाओं की कहानी है जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक टेक्सटाइल शक्ति बनाना है। यह लेख सिर्फ़ योजनाओं की सूची नहीं, बल्कि उस परिवर्तन की झलक है जिसे हम सब ने मिलकर आकार दिया है।

### किसान-केंद्रित बदलाव : कॉटन की रिकॉर्ड प्रोक्योरमेंट और MSP में ऐतिहासिक वृद्धि

टेक्सटाइल क्षेत्र की जड़ें खेत में हैं और किसान इस यात्रा की पहली कड़ी हैं। इसलिए हमारी प्राथमिकता हमेशा यह रही कि कॉटन किसान को बाजार के उतार-चढ़ाव, दामों की अनिश्चितता और बिचौलियों की दबाव-प्रणाली से मुक्त किया जाए। यही कारण है कि 2004 से 2014 के बीच जहाँ सरकारी एजेंसियों द्वारा कुल 173 लाख कॉटन बेल्स की खरीद हुई, वहीं 2014 से 2024 के बीच यह बढ़कर 473 लाख कॉटन बेल्स पर पहुँची। यह लगभग 173% की वृद्धि है, जो दर्शाती है कि सरकार ने किसान को सिर्फ़ मौसमी प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि उसे स्थायी सुरक्षा दी।

इसी तरह MSP में सुधार भी किसानों को स्थिरता देने वाला बड़ा कदम रहा है। 2013-14 में कॉटन का MSP 3,700 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि 2025-26 में इसे बढ़ाकर 7,710 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यह 108% की वृद्धि है, जो किसान की आय, सुरक्षा और आत्मविश्वास को मजबूत करती है। जब हम कहते हैं कि किसान हमेशा सुरक्षित है, तो यह सिर्फ़ बात भर नहीं, बल्कि इन वास्तविक आँकड़ों पर आधारित सच्चाई है कि सरकार पहले से अधिक मात्रा में कॉटन खरीद रही है और किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित कर रही है।

### मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी: क्वालिटी, प्रोडक्टिविटी और न्यू ऐज फाइबर

सिर्फ़ ज़्यादा प्रोडक्शन ही काफ़ी नहीं, बेहतर क्वालिटी भी उतनी ही ज़रूरी है। इसी सोच के साथ 2,500 करोड़ का मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी शुरू किया गया, जिसका लक्ष्य केवल प्रोडक्शन बढ़ाना नहीं, बल्कि कॉटन की गुणवत्ता को विश्व-स्तर तक पहुँचाना है। इस मिशन के तहत बेहतर बीज, वैज्ञानिक खेती, फार्म मैनेजमेंट और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रियाएँ मजबूत की जा रही हैं। इसके साथ ही किसान को न्यू-एज फाइबर की तरफ प्रेरित करने का प्रयास भी किया जा रहा है ताकि भारत ग्लोबल वैल्यू-चेन में हाई क्वालिटी कॉटन और मिक्स्ड फाइबर के प्रमुख सप्लायर के रूप में उभरे।

जब हम भविष्य की बात करते हैं, तो पुनः स्पष्ट करना आवश्यक है कि टेक्सटाइल की अगली वृद्धि ट्रेडिशनल फाइबर पर ही आधारित नहीं होगी। इसी दिशा में सरकार ने फ्लैक्स, रैमी, सिसल और मिल्कवीड जैसे न्यू ऐज फाइबर को प्राथमिकता में रखा है। यह फाइबर किसानों के लिए कम लागत के साथ अधिक आय देने वाले अनुकूल विकल्प हैं और इनसे पूरी वैल्यू-चेन में नई प्रोसेसिंग, नए उद्योग और बड़े पैमाने पर नए रोज़गार पैदा होंगे। मिल्कवीड जैसे पौधे अब न्यू-एज टेक्सटाइल फाइबर के रूप में उभर रहे हैं और निकट भविष्य में ये किसानों के लिए अतिरिक्त आय का निश्चित ही महत्वपूर्ण स्रोत बनेंगे।

### कॉटन पर इम्पोर्ट ड्यूटी में राहत से उद्योग को स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा

कॉटन पर इम्पोर्ट ड्यूटी हटाने का फैसला उद्योग के लिए तुरंत राहत देने वाला कदम साबित हुआ है। पहले यह राहत 30 सितंबर तक ही दी गई थी, लेकिन इसके सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इसे 31 दिसंबर तक बढ़ाया गया है। इस कदम से मिल्स को इंटरनेशनल कम्पेटिटिव दामों पर कॉटन मिलने लगा, जिसकी वजह से यार्न और फैब्रिक की प्रोडक्शन कॉस्ट कम हुई जो सीधे तौर पर हमारे टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने वाली साबित होगी।

SMEs के लिए यह कदम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इम्पोर्ट ड्यूटी में राहत मिलने से अब उन्हें स्थिरता, बेहतर प्लानिंग और कॉस्ट मैनेजमेंट का अवसर मिलेगा। साथ ही, डोमेस्टिक मार्केट में भी रॉ कॉटन की आपूर्ति होगी, जिससे हैंडलूम, पावरलूम, डिजाइनर सेगमेंट, और फैब्रिक आधारित स्टार्टअप तक सभी को हाई क्वालिटी फाइबर उचित मूल्य पर उपलब्ध हो पाएगा। यह निर्णय भारत को एक स्थिर और प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### PLI योजना से टेक्सटाइल सेक्टर की औद्योगिक प्रगति

PLI योजना ने टेक्सटाइल सेक्टर को नई ऊर्जा दी है जिसने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्साह और निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उद्योग की मांग को देखते हुए आवेदन पोर्टल को 31 दिसंबर 2025 तक पुनः खोला गया है जिसमें अब तक 27 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे नई फैक्ट्रियाँ, नई टेक्नोलॉजी, और हज़ारों नए रोजगार सृजित किए जाएंगे और 2030 तक टेक्सटाइल सेक्टर के 12 बिलियन डॉलर एक्सपोर्ट लक्ष्य को हासिल करने में बड़ी मदद मिलेगी।

अब तक 74 स्वीकृत कंपनियों में से 42 कंपनियों का टेक्निकल टेक्सटाइल में होना इस बात का संकेत है कि भारत इनोवेशन से भरे इस सेक्टर में गंभीर रूप से निवेश कर रहा है। फलस्वरूप टेक्निकल टेक्सटाइल्स का एक्सपोर्ट भी पिछले वर्ष की तुलना में 12.4 प्रतिशत बढ़कर 3.2–3.4 बिलियन डॉलर तक पहुँचा। सबसे रोचक तथ्य यह है कि शीर्ष 10 कंपनियों द्वारा किया गया वास्तविक निवेश 4,584 करोड़ रुपये रहा, जो कि उनकी कमिटेड राशि से करीब 500 करोड़ रुपये से भी अधिक है।

इसका सबसे प्रेरक उदाहरण बेबी डायपर्स और सैनिटेरी नैप्किंस का है। एक समय था जब भारत इन प्रोडक्टस के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी उत्पादों पर निर्भर था, लेकिन आज PLI के बाद हम इस सेक्टर में इम्पोर्ट डिपेंडेंसी से मुक्त होकर नेट एक्सपोर्टर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

### MEG और विस्कोस पर QCO हटाने से MMF वैल्यू-चेन को राहत

हाल ही में MEG और विस्कोस पर QCO हटाने का निर्णय लिया गया जो इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों और ग्लोबल सप्लाई चेन की परिस्थितियों को समझते हुए लिया गया है। QCO हटने के बाद अब MMF वैल्यू-चेन को वैश्विक स्तर के रॉ मटेरियल कम्पेटिटिव दरों पर मिलेंगे, जिससे प्रोडक्शन प्लानिंग और लागत दोनों में सुधार होगा।

डाउन-स्ट्रीम सेक्टर जिसमें विशेषकर गारमेंटिग सेक्टर को तुरंत राहत मिलेगी। आज इस क्षेत्र में लगभग 1.4 करोड़ नौकरियाँ हैं और हमारा लक्ष्य 2030 तक इसमें 1 करोड़ नई नौकरियों के अवसर तैयार करना है।

### Next Gen GST : इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या से राहत

टेक्सटाइल इंडस्ट्री की इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के सुधार को लेकर एक पुरानी डिमांड थी जिससे वर्किंग कैपिटल ब्लॉक हो जाता था। पर अब Next Gen GST रिफॉर्म से इस समस्या को दूर किया गया है।

इसके साथ ही रेडीमेड गार्मेंट्स के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 2,500 तक के अपेरल पर GST 5% किया गया है। जिससे मिडिल क्लास, युवा व विद्यार्थियों के लिए कपड़े अब और अधिक किफायती होंगे। साथ ही टियर 2-3 शहरों और गांवों में भी इसकी डिमांड भी बढ़ेगी।

### लेबर रिफॉर्म से टेक्सटाइल वर्कर्स को सुरक्षा और सम्मान

टेक्सटाइल क्षेत्र में बड़ी संख्या में माइग्रैन्ट, महिला और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स काम करते हैं। हाल के लेबर रिफॉर्म इन्हें वास्तविक अधिकार, सुरक्षा और स्थिरता देने के लिए बनाए गए हैं। सभी अब समान वेतन, समान कल्याण योजनाओं और सुविधाओं के हकदार होंगे। ये सुधार टेक्सटाइल वर्कफोर्स को एक सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

### PM MITRA Parks : इंटीग्रेटेड वैल्यू-चेन और 21 लाख रोजगार

PM MITRA योजना भारत के टेक्सटाइल सेक्टर के लिए गेम-चेंजर साबित हो रही है। यह पार्क सिर्फ इंडस्ट्रियल क्लस्टर नहीं, मैं इन्हें हमारे टेक्सटाइल सेक्टर के 7 ऊर्जा-केंद्र मानता हूँ। सातों राज्यों में भूमि आवंटन के साथ काम सुचारु रूप से प्रगतिशील है। अभी तक देशभर से लगभग 33,000 करोड़ रुपये की इनवेस्टमेंट आकर्षित किया है।

## संपादकीय

### मैस्सी के आने पर कोलकाता में बवाल ने खोली व्यवस्था की पोल

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर कोई खिलाड़ी अगर किसी आयोजन के तहत लोगों के बीच जाता है, तो उम्मीद की जाती है कि वहां हर स्तर पर चाक-चौबंद व्यवस्था होगी। कार्यक्रम का स्वरूप पूरी तरह ठोस और मुकम्मल होगा तथा सुरक्षा-व्यवस्था में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। मगर कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यात फुटबाल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी जब पहुंचे, तो आयोजकों की अदूरदर्शिता और अव्यवस्था की वजह से वहां व्यापक अराजकता फैल गई।यह हैरानी की बात इसलिए है कि लियोनेल मेस्सी की लोकप्रियता और उनके प्रशंसकों के बीच उन्हें देखने को लेकर दीवानगी के बारे में तस्वीर पहले ही साफ थी। फिर मेस्सी के कार्यक्रम की रूपरेखा ऐसी क्यों बनाई गई, जिसकी वजह से उन्हें देखने आए लोगों के बीच आक्रोश भड़का। गौरतलब है कि मेस्सी अपने भारत दौरे के क्रम में कोलकाता आए थे और वहां स्टेडियम में वे अपने प्रशंसकों से मिलने गए थे। मगर वहां उनके आसपास कई नेता और अन्य लोग इस तरह मौजूद थे कि वे एक तरह से वहां गुम हो गए और दर्शकों के लिए उन्हें देखना मुश्किल हो गया। इस पर लोगों के भीतर गुस्सा पैदा हुआ और उन्होंने तोड़फोड़ मचाना शुरू कर दिया। आखिर मेस्सी को वहां से बाहर निकलना पड़ा। सवाल है कि आयोजकों ने इस बात को क्यों भुला दिया कि वहां स्थानीय से लेकर बाहर से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने मेस्सी को सिर्फ देखने के लिए अगर पांच हजार से पच्चीस हजार रुपए तक की टिकट खरीदी है, तो वादे के अनुरूप व्यवस्था का ध्यान रखा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर लोगों के धीरज खोकर अराजक होने को उचित नहीं कहा जाएगा, लेकिन यह भी तथ्य है कि आयोजकों की लापरवाही की वजह से स्टेडियम में अराजकता छाई, जिसका अंजाम त्रासद भी हो सकता था।

# लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

**वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना।**

(योगेश कुमार गोयल)

सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा।

सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

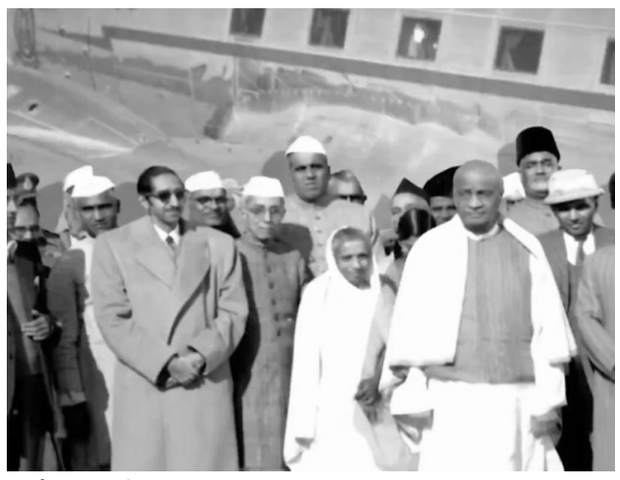

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया। अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# भारत ने बनाई 300 प्रोडक्ट की सूची, दोस्त रूस कभी नहीं भूलेगा ये एहसान!

(अभिनय आकाश)

पुतिन के भारत दौरे के बाद भारत ने एक ऐसा कदम उठाया जो आने वाले वर्षों में भारत रूस व्यापार की दिशा ही बदल सकता है। दरअसल भारत ने रूस को एक्सपोर्ट करने के लिए 300 से ज्यादा हाई पोटेंशियल प्रोडक्ट की लिस्ट तैयार कर ली है। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन का हालिया भारत दौरा। सिर्फ कूटनीतिक मुलाकात नहीं था।

भारत और रूस की दोस्ती बहुत गहरी है। रूस ने हर मौके और हर मोर्चे पर भारत का साथ दिया है। अपने कई बार अक्सर सुना होगा कि जब दो लोग एक-दूसरे के बारे में कहते हैं कि वो बचपन के दोस्त हैं। इसी प्रकार से रूस और भारत बचपन के दोस्त हैं और दोनों के बीच बहुत पुरानी दोस्ती है। इसमें कई उतार-चढ़ाव भी आए हैं।कभी रक्षा सौदे के मैदान में, कभी ऊर्जा के सेक्टर में और अब व्यापार के नए मोर्चे पर। लेकिन अब कहानी में एक नया मोड़ आ गया। पुतिन के भारत दौरे के बाद भारत ने एक ऐसा कदम उठाया जो आने वाले वर्षों में भारत रूस व्यापार की दिशा ही बदल सकता है। दरअसल भारत ने रूस को एक्सपोर्ट करने के लिए 300 से ज्यादा हाई पोटेंशियल प्रोडक्ट की लिस्ट तैयार कर ली है। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन का हालिया भारत दौरा।

सिर्फ कूटनीतिक मुलाकात नहीं था।

इसके पीछे था डॉलर सिस्टम से बाहर निकलने की सोच, लोकल करेंसी में ट्रेड और सबसे अहम ट्रेड इमबैलेंस को खत्म करने की रणनीति। पुतिन के जाने के बाद अब भारत की कॉमर्स मिनिस्ट्री फुल एक्शन मोड में आ गई है। भारत ने रूस के लिए करीब 300 ऐसे प्रोडक्ट की पहचान की है जिनकी रूस में भारी मांग है और जिन्हें वो फिलहाल दूसरे देशों से इंपोर्ट करता है। इन सेक्टर में शामिल है इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट और इसके साथ केमिकल प्रोडक्ट्स। यानी रूस का जो इंपोर्ट बास्केट है उसमें भारत सीधे एंट्री की तैयारी कर चुका है।

आंकड़ों के मुताबिक भारत फिलहाल इन कैटेगरी के प्रोडक्ट में रूस को सिर्फ 1.7 बिलियन का एक्सपोर्ट करता है। जबकि रूस इन्हीं कैटेगरी में 37.4 बिलियन का इंपोर्ट करता है। अंतर देखिए भारत के लिए करीब 35 बिलियन का इंपोर्ट गैप। यही गैप अब भारत भरने की तैयारी में है। भारत और रूस दोनों देशों ने तय किया कि 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन जब तक भारत का एक्सपोर्ट नहीं बढ़ेगा ट्रेड बैलेंस सुधरेगा ही नहीं। क बड़ा सच यह भी है कि भारत का रूस के साथ मौजूदा ट्रेड डेफिसिट करीब 59 बिलियन है। जितना ज्यादा भारत रूस को सामान भेजेगा, शिपमेंट बढ़ेगी, लोकल करेंसी पेमेंट होगा, उतना ही यह ट्रेड डेफिसिट घटता जाएगा। रूस भारत के टोटल क्रूड ऑयल इंपोर्ट का करीब 21 प्रतिशत सप्लाई करता है। रूस के टोटल इंपोर्ट बास्केट में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 2.3 प्रतिशत है। यानी भारत के पास रूस में घुसने की बहुत बड़ी जगह मौजूद है। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने साफ रणनीति बनाई है उन प्रोडक्ट पर फोकस जिनकी रूस को जरूरत है। उन सेक्टर में एंट्री जहां पश्चिमी देशों की सप्लाई प्रतिबंध के चलते कमजोर हुई है। लोकल करेंसी ट्रेड यानी रूपी रूबल सिस्टम और लॉजिस्टिक और शिपिंग रूट्स मजबूत करना।

## वर्ग पहेली 5945

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | ■ | 4 | | 5 |
| | ■ | 6 | | | | ■ | |
| 7 | 8 | | | ■ | 9 | 10 | ■ |
| ■ | 11 | | ■ | 12 | | | 13 |
| 14 | | ■ | 15 | ■ | | ■ | |
| 16 | | | | 17 | ■ | 18 | |
| 19 | | ■ | 20 | | | ■ | ■ |
| ■ | ■ | 21 | | | ■ | ■ | 22 |

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. विश्व में यह एकमात्र ऐसा देश है जो पूरे महाद्वीप पर फैला है इस द्वीपीय महाद्वीप भी कहते है। इस महाद्वीप में 22 देश है (4)
4. किनारा, तट, तीर (3)
6. पतन की ओर अग्रसर (4)
7. आगे या पीछे फिसलने की ओर प्रवृत्त होना (4)
9. विभावरी, यामिनी, रात्रि (2)
11. अनाज, भाड़ में भूंजा गया अन्न, चबेना (2)
12. खौलाना, उबालकर पकाना (4)
14. अहंकार युक्त रोष का आवेश (2)
16. मन को भाने या पसंद करने वाला (5)
18. बगावत करने वाला, राजद्रोही (2)
19. सत्यापूर्ण धर्म, यथार्थता, उत्तम (2)
20. निरोग, चंगा, तंदरूस्त (3)
21. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
22. धेनु, गाय (1)

**ऊपर से नीचे**

1. यह विश्व सिनेमा का सबसे बड़ा अवार्ड है (3)
2. शरीरिक कष्ट या यंत्रणा, तकलीफ (3)
4. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म जंगली (1967)थी (5)
4. निशान, अनुमान योग्य वस्तु, लक्षणा शक्ति से निकलने वाला अर्थ (2)
8. जिसे पद से हटाकर निम्न पद पर कर दिया गया हो (5)
10. जलाशय आदि के बिल्कुल नीच की जमीन, पेंदा (2)
13. प्रसिद्ध फल संतरा को यह भी कहते है (3)
14. जिसमें तमोगुण की अधिकता हो, ज्ञानहीन (3)
15. मक्खन, माखन (4)
17. अवनमित, नमस्कार, प्रणाम (3)

**वर्ग पहेली 5944 का हल**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भा | र | त | ■ | सा | म | वे | द |
| ग | ग | न | च | र | ■ | द | ल |
| खु | ■ | ब | ना | ना | ■ | ■ | वा |
| ल | ■ | द | ■ | थ | प | क | ना |
| ना | दा | न | ■ | ■ | र | ति | ■ |
| ■ | सी | ■ | के | श | व | ■ | स |
| हां | ■ | भा | व | ■ | रि | हा | ई |
| ■ | ल | ला | ट | ■ | श | ■ | द |

# भारत कायम करेगा नया रिकॉर्ड, 2030 तक बना लेगा 9 गीगावाट तक के डेटा सेंटर, लेकिन बिजली कहां से आएगी?

(रौनक भैड़ा)

भारत में डेटा सेंटरों की क्षमता बहुत तेजी से बढ़ने वाली है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि साल 2030 तक इन डेटा सेंटरों की क्षमता 9 गीगावाट तक हो जाएगी। लेकिन सवाल ये उठता है कि डेटा सेंटरों के लिए भारत इतनी बिजली कहां से लाएगा?

भारत में डेटा सेंटरों की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। पिछले साल यह करीब 1.4 गीगावाट थी, जो 2030 तक 9 गीगावाट तक पहुंच सकती है। यदि ऐसा होता है तो भारत एक नया रिकॉर्ड कायम कर देगा। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि डेटा सेंटरों को जितनी क्वान्टिटी में बिजली चाहिए, वो भारत कहां से देगा? अब तक डेटा सेंटरों का कुल बिजली खपत में हिस्सा एक प्रतिशत से भी कम था। लेकिन अब ये बढ़कर तीन प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में भारत इनकी बिजली आपूर्ति के लिए क्या करेगा, चलिए यह बात विस्तार से जान लेते हैं।

डेटा सेंटरों को दिन-रात चलाने के लिए बहुत बिजली चाहिए। पहले हाइड्रो और थर्मल पावर से काम चल जाता था, लेकिन अब यह काफी नहीं। इसलिए सोलर और विंड एनर्जी के सोर्स बढ़ाए जा सकते हैं। बैटरी स्टोरेज भी इसमें मदद करेगा ताकि बिजली की आपूर्ति स्थिर रहे।

ट्रेड ब्रेन्स की रिपोर्ट (आरईएफ) के मुताबिक, भारत सरकार ने 2030 तक 500 गीगावाट रिनेबल एनर्जी क्षमता बनाने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसमें सोलर एनर्जी का सबसे बड़ा हिस्सा होगा, जो करीब 280 गीगावाट के आसपास होगा। विंड एनर्जी भी अच्छी प्रगति कर रही है। भारतीय पवन टरबाइन निर्माता संघ की रिपोर्ट के अनुसार, देश 2030 तक 100 गीगावाट विंड एनर्जी का लक्ष्य पूरा करने की ओर बढ़ रहा है। अभी देश में 50 गीगावाट से ज्यादा विंड एनर्जी क्षमता लगी हुई है। हर साल 18 गीगावाट से ज्यादा टरबाइन और उनके पार्ट्स बनाने की क्षमता है। यह लक्ष्य पूरा होने से डेटा सेंटरों को सस्ती बिजली मिल सकेगी। रिनेबिल एनर्जी प्रकृति से मिलती है और कभी खत्म नहीं होती। यह बार-बार अपने आप बनती रहती है। जैसे सूरज की रोशनी और हवा हमेशा रहते हैं, यह इन्हीं से बनती है। जबकि इसके विपरीत कोयला, पेट्रोल और गैस जैसे सोर्स एक दिन खत्म हो जाते हैं और इनसे पर्यावरण को नुकसान होता है। रिनेबिल एनर्जी साफ होती है और प्रदूषण कम करती है। डेटा सेंटर चलाने में बिजली का खर्च 30 से 40 प्रतिशत तक होता है। अभी ग्रिड से बिजली 7 से 10 रुपये प्रति यूनिट तक पड़ती है और कीमतें बदलती रहती हैं। अगर ये सेंटर अपनी खुद की रिनेबिल एनर्जी बनाएं या लंबे समय के लिए बिजली खरीद समझौते करे, तो बिजली की कीमत 3 से 4 रुपये प्रति यूनिट पर तय हो जाएगी। इससे डेटा सेंटरों की लागत स्थिर रहेगी और मुनाफा बढ़ेगा। सोलर, विंड और बैटरी को मिलाकर हाइब्रिड सिस्टम बनाए जा रहे हैं। इससे बिजली की आपूर्ति में रुकावट कम होगी, खासकर उन राज्यों में जहां ग्रिड कमजोर है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

## आज का राशिफल

### मेष

आज प्रॉपर्टी से संबंधित क्षेत्रों में उत्तम लाभ मिलेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और वरिष्ठों के आशीर्वाद से समाज में मान सम्मान की प्राप्ति होगी। आज आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और आप जनता के प्रिय बने रहेंगे। सायंकाल के समय परिवार के किसी सदस्य को शारीरिक कष्ट हो सकता है। इससे आपको कुछ देर परेशानी रहेगी।

### वृष

आज आपको शत्रुओं से सावधान रहना होगा। इसके बाद भी आपके अंदर निर्भीकता का भाव संचार करेगा। इसलिए आप निर्भयता से अपने कार्यों को संपन्न कराने में सक्षम रहेंगे। जीवन साथी के साथ आज संबंध बहुत मधुर रहेंगे। सायंकाल के समय अच्छे वाहन से यात्रा का संयोग बन रहा है।

### मिथुन

आज के दिन आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए। औपचारिकता में बिल्कुल भी न उलझना, आपको जो खाना हो, जो चाहिए, बेहिचक कह देना। यदि आपका धन कहीं रुका हुआ है तो आज मिल सकता है।

### कर्क

आज के दिन आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के अपने छोटे भाई-बहनों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाएगा। ऐसे में आपको अपने स्वभाव के प्रति गंभीर रहना होगा। अपनी कड़ी मेहनत से ही अपने कार्यों में सफल हो सकेंगे। भौतिक सुख साधनों पर खर्चा अधिक होता दिख रहा है।

### सिंह

आज के दिन आपके अंदर परोपकार और दान पुण्य की भावना बढ़ेगी। आज आपका अधिक समय धार्मिक अनुष्ठानों में व्यतीत होगा। आत्म विश्वास के बल पर किए गए प्रयासों में आपको अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। पुराने रुके हुए कार्य थोड़ा खर्च करने से बन सकते हैं। नई योजनाओं पर आज के दिन काम शुरू हो सकता है।

### कन्या

आज का दिन अच्छा रहेगा। यदि पिछले दिनों से शरीर में कोई कष्ट चला आ रहा है तो उसमें सुधार होगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत दिख रहे हैं। भतीजे का सहयोग मिलने की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें। आप अपनी कार्यकुशलता से जीत, समृद्धि और सफलता प्राप्त करेंगे।

### तुला

आज विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा। शिक्षा की ओर आपकी रुचि बढ़ेगी। नए कार्यों को सीखने का मौका मिलेगा और आप उसमें सफल भी होंगे। इस दौरान आप अपनी बातों को सही साबित करने में सफल रहेंगे। माता-पिता, गुरु के प्रति निष्ठा और भक्ति भाव प्रतिष्ठा वृद्धि में सहायक होगा।

### वृश्चिक

आज आपके लिए आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी। संतान के द्वारा किए गये श्रेष्ठ कार्यों से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। शाम से लेकर रात तक किसी प्रिय व्यक्तियों के दर्शन से मन प्रफुल्लित रहेगा।

### धनु

आज आपकी विद्या, बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी। बृहस्पति शासन का प्रतिनिधि है, इसलिए शासन द्वारा आपको सम्मानित किए जाने की प्रबल संभावना है। शाम के समय धार्मिक अनुष्ठानों पर समय व्यतीत होगा। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी।

### मकर

आज दिन आर्थिक लाभ लेकर आ रहा है। आज आपको पूर्वजों से धन मिलने की अपार संभावना है। आपके संचित धन में वृद्धि के योग बनते दिख रहे हैं। तंत्र-मंत्र साधना में भी आपकी रुचि बढ़ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह न दें उस पर उल्टा ही असर होगा। रात्रि के समय पुण्य कार्य में लगेंगे, जिससे आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा।

### कुंभ

आज के दिन आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आमदनी की बढ़ोतरी के लिए किए गए प्रयास शत प्रतिशत सफल रहेंगे। श्रेष्ठ मार्गों द्वारा प्राप्त धन से कोष वृद्धि होगी। भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको हर क्षेत्र में लाभ की प्राप्ति होगी। आपको मित्रों का सहयोग मिलेगा एवं नए अच्छे मित्र भी मिलेंगे।

### मीन

आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति वक्री चल रहा है। ऐसे में अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति भाव पूर्ण रखें।

## खुल गया एक और मेनबोर्ड आईपीओ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केएसएच इंटरनेशल आईपीओ आज यानी 16 दिसंबर से खुल गया है। कंपनी के आईपीओ का साइज 710 करोड़ रुपये का है। यह भी एक मेनबोर्ड आईपीओ है। हालांकि, ग्रे मार्केट में केएसएच इंटरनेशल आईपीओ की स्थिति अच्छी नहीं है। बता दें, यह आईपीओ 1.09 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगा। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत कंपनी 76 लाख शेयर जारी करेगी। केएसएच इंटरनेशल आईपीओ 18 दिसंबर तक खुला रहेगा। केएसएच इंटरनेशल आईपीओ का प्राइस बैंड 365 रुपये से 384 रुपये है। कंपनी ने 39 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को 14976 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। आईपीओ का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम से 35 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। एंकर निवेशकों के लिए यग आईपीओ 15 दिसंबर को खुला था। कंपनी की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार 55,46,874 शेयर एंकर निवेशकों को 384 रुपये पर जारी किए गए हैं। जिन एंकर निवेशकों ने दांव लगाया है उनमें एचएसबीसी ग्लोबल इंवेस्टमेंट फंड्स, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी आदि है। बता दें, 41,40,591 शेयर 5 घरेलू म्यूचुअल फंड को जारी किए गए हैं। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज संघर्ष कर रहा है। जीएमपी आज भी जीरो रुपये पर है। कंपनी के जीएमपी में कोई भी हरकत नहीं देखने को मिल रही है। इस कंपनी की स्थापना 1979 में हुई थी। यह देश की तीसरी सबसे बड़ी मैगनेंट वाइंडिंग वायर्स एक्सपोर्ट करने वाली कंपनी है। केएसएच ब्रांड नाम से कंपनी पावर, रिन्यूएबल, रेलवे, ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रीयल सेक्टर में अपने प्रोडक्ट की सप्लाई करती है।

## पीयूष गोयल ने औद्योगिक क्षेत्र की हस्तियों से की मुलाकात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोलन ने जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति के अध्यक्ष तातसुओ यासुनागा से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य दोनो देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रीत रहा। सोशल मीडिया एक्स पर गोयल ने कहा कि जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति (जेआईबीसीसी) के अध्यक्ष तातसुओ यासुनागा और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सार्थक चर्चा हुई। भारत-जापान व्यापार संबंधों को और मजबूत करने, व्यापार सहयोग बढ़ाने और प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। पारस्परिक विकास और समृद्धि के लिए इस गतिशील साझेदारी को और गहरा करने की आशा है। भारत-जापान के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार भारत और जापान के बीच मजबूत और लगातार बढ़ते व्यापारिक संबंध हैं। वित्त वर्ष 2025 के दौरान जापान और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 25.17 अरब डॉलर रहा। इसमें से जापान से भारत को निर्यात 18.92 अरब डॉलर और भारत से आयात 6.25 अरब डॉलर का था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत के कुल आयात में जापान के निर्यात का हिस्सा 2.06 प्रतिशत था, जबकि इसी अवधि में जापान को भारत के निर्यात का हिस्सा 0.75 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2025 के दौरान भारत ने जापान को लगभग 3,900 वस्तुओं का निर्यात किया, जो दोनों देशों के बीच व्यापार की विविधता को दर्शाता है।

# 1 डॉलर = 13 लाख, ईरान की करेंसी कैसे हो गई है कूड़ा भारत के सामने भी चुनौती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ईरान की करेंसी रियाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को 13 लाख के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिर गई। यानी अब एक अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए 13 लाख ईरानी रियाल खर्च करने पड़ेंगे। इसका सीधा मतलब है कि रियाल का मूल्य लगभग खत्म हो चुका है। यह गिरावट प्रतिबंधों के दबाव और क्षेत्रीय तनावों के बीच आई है। इससे महंगाई बढ़ गई है। घरेलू बजट पर बोझ पड़ रहा है। वहीं, इसी दिन भारत का रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे गिरकर 90.74 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। इसका मुख्य कारण भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की बिकवाली है। ईरान की मुद्रा रियाल सोमवार को एक बार फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिर गई। यह 13 लाख रियाल प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। रियाल में गिरावट ऐसे समय में आई है जब ईरान पर प्रतिबंधों का दबाव है। क्षेत्रीय तनाव भी बढ़ रहा है। पिछले दो हफ्तों से भी कम समय में रियाल 12 लाख के स्तर को पार कर गई थी। अब यह और भी नीचे चली गई है। तेहरान में मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर का भाव 13 लाख रियाल से ऊपर चला गया है। यह 3 दिसंबर के बाद से गिरावट की सबसे तेज रफ्तार को दिखाता है, जब रियाल अपने तत्कालीन रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंची थी।

रियाल में आई इस तेज गिरावट का सीधा असर ईरान की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। महंगाई का दबाव और बढ़ गया है। खाने-पीने की चीजें और

रोजमर्रा की जरूरत की दूसरी चीजें महंगी हो गई हैं। इससे आम लोगों के घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। हाल ही में पेट्रोल की कीमतों में किए गए बदलावों से यह महंगाई और बढ़ सकती है। यह आर्थिक गिरावट ऐसे समय में आई है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत ठप होती दिख रही है। इसके अलावा, जून में ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध के बाद दोबारा संघर्ष की आशंका बनी हुई है। ईरान में कई लोग एक बड़े टकराव की आशंका जता रहे हैं, जिससे बाजार की चिंता और बढ़ गई है। यह स्थिति वैश्विक निवेशकों और यहां तक कि ईरानी नागरिकों का भी अपनी राष्ट्रीय मुद्रा और देश की आर्थिक स्थिरता में गंभीर अविश्वास दर्शाती है। ईरान को अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली से अलग कर दिया गया है। इससे विदेशी व्यापार और लेन-देन लगभग असंभव हो गया है। अमेरिका की ओर से लगाए गए कठोर प्रतिबंधों ने ईरान के सबसे बड़े राजस्व स्रोत तेल निर्यात को बुरी तरह प्रभावित किया है। जब ईरान तेल बेच नहीं पाता, तो उसे डॉलर (विदेशी मुद्रा) नहीं मिलता। दूसरी ओर, भारत का रुपया भी सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे गिर गया। यह 90.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। रुपये में यह गिरावट भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण आई है। कारोबार के दौरान रुपया एक समय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90.80 तक भी पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि जोखिम से बचने की धारणा और आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग ने निवेशकों की धारणाओं को और कमजोर किया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 90.53 पर खुला था। लेकिन, बाद में यह फिसलते हुए कारोबार के दौरान 90.80 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया। यह उसके पिछले बंद भाव से 31 पैसे की गिरावट थी।

# बोतलबंद पानी भी अनसेफ

## प्रियागोल्ड बिस्किट और दो वॉटर ब्रांड पर एक्शन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कश्मीर में खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ा अलर्ट जारी हुआ है। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने मुनाफाखोरी के चक्कर में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की है। प्रियागोल्ड बिस्किट के एक बैच और अजवा पैकेज्ड वॉटर ब्रांड की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। यह फैसला इन उत्पादों के सैंपल की जांच में मिलावट पाए जाने के बाद लिया गया है। अजवा पानी में ई-कोली और कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिले हैं, जो इसे पीने लायक नहीं बनाते। वहीं, प्रियागोल्ड के बटर डिलाइट बिस्किट में सल्फाइट की मात्रा तय सीमा से ज्यादा पाई गई। इससे पहले स्नोड्रॉप वॉटर बॉटल में आर्सेनिक मिलने पर भी बैन लगाया गया था। इन घटनाओं ने कश्मीर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने इस मामले में जनता को जवाब देने और सुधार के उपाय बताने की मांग की है। जम्मू-कश्मीर में खाद्य पदार्थों में मिलावट का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। फूड सेफ्टी

डिपार्टमेंट लगातार ऐसे मामलों का पर्दाफाश कर रहा है, जिससे आम जनता की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। हाल ही में, प्रियागोल्ड ब्रांड के बटर डिलाइट बिस्किट के एक बैच में सल्फाइट की मात्रा तय सीमा से बहुत ज्यादा पाई गई। यह पता चलते ही अनंतनाग प्रशासन ने तुरंत इस बिस्किट की बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगा दी। सल्फाइट एक ऐसा केमिकल है जिसका ज्यादा सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। मुनाफा कमाने के लालच में कुछ लोग किस हद तक जा सकते हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कश्मीर में सिर्फ बिस्किट और पानी ही नहीं, बल्कि अन्य खाने-पीने की चीजों में भी मिलावट की जा रही है।

### अजवा ब्रांड के बोतलबंद पानी पर एक्शन

इसके अलावा, अजवा नाम के पैकेज्ड वॉटर ब्रांड पर भी फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कड़ा एक्शन लिया है। जांच में इस पानी के सैंपल में ई-कोली और कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाए गए। ये बैक्टीरिया आमतौर पर गंदे पानी में मिलते हैं। इन्हें पीने से पेट की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। नेशनल फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी, गाजियाबाद में हुई जांच के बाद पानी को अनसेफ यानी असुरक्षित घोषित कर दिया गया। इस रिपोर्ट के आधार पर पब्लिक हेल्थ और कंज्यूमर सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए अजवा पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर की बिक्री, स्टोरेज, डिस्ट्रीब्यूशन और डिस्प्ले पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। इसका मतलब है कि अब यह पानी कश्मीर में कहीं भी नहीं बिकेगा और न ही इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह पहली बार नहीं है जब कश्मीर में पैकेज्ड वॉटर ब्रांड पर बैन लगा है। एक महीने पहले ही अक्टूबर में कश्मीर घाटी के बारामूला जिले में बनने वाले स्नोड्रॉप नाम के पैकेज्ड वॉटर ब्रांड पर भी रोक लगाई गई थी। उस समय जांच में पानी में आर्सेनिक की मिलावट पाई गई थी।

# टैरिफ ने किया अमेरिका का बेड़ा गर्क...! भारतवंशी महिला ने कर दी ट्रंप की खिंचाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी कांग्रेस की भारतीय मूल की सदस्य प्रमिला जयपाल ने राष्ट्रपति ट्रंप के भारत पर लगाए गए टैरिफ की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इन शुल्कों से न केवल अमेरिकी लोगों के लिए चीजें महंगी हो रही हैं, बल्कि भारत को अन्य वैश्विक शक्तियों के करीब भी धकेला जा रहा है।

जयपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ट्रंप के भारत पर लगाए गए टैरिफ सिर्फ अमेरिकियों के लिए कीमतें नहीं बढ़ा रहे हैं- वे भारत को एक व्यापारिक सहयोगी के रूप में हमसे दूर कर रहे हैं और देश को रूस और चीन के साथ साझेदारी करने के लिए अधिक प्रोत्साहन दे रहे हैं। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है और हम सभी के लिए कम सुरक्षित हो जाते हैं। अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी का भारी टैरिफ लगाया हुआ है।

एक संसदीय सुनवाई के दौरान जयपाल ने एक्सपर्ट विटनेस समीर लालवानी से इन

टैरिफ के प्रभाव के बारे में सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि भारत को कैसा महसूस हो सकता है जब उसके पड़ोसी देश, पाकिस्तान और बांग्लादेश, भारत की तुलना में कम टैरिफ दरें हासिल कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अगस्त में राष्ट्रपति ट्रंप ने कई भारतीय सामानों पर टैरिफ को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया। क्या भारत इस बात को लेकर चिंतित है कि उसके पड़ोसी, पाकिस्तान और बांग्लादेश, भारत की तुलना में कम टैरिफ दरें हासिल कर चुके हैं, जबकि भारत सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है और इस धारणा से कि अमेरिका अब एक विश्वसनीय भागीदार नहीं है, भारत के ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन के साथ संबंधों पर क्या असर पड़ सकता है

### भारत पर क्या असर

लालवानी ने जवाब दिया कि ये टैरिफ भारत के लिए एक बड़ी चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि इससे निर्यात की संभावनाएं सीमित हो रही हैं और लागत बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये उपाय भारत को ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन के करीब धकेल सकते हैं, जो टैरिफ के इच्छित लक्ष्यों के विपरीत है।

## अंबानी-अडानी की कुल जितनी कमाई उससे ज्यादा एक साल में कमाया

# मस्क की नेटवर्थ 600 अरब डॉलर के पार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने इतिहास रच दिया है। वह दुनिया के पहले ऐसे इंसान बन गए हैं जिनकी कुल संपत्ति 600 अरब डॉलर (लगभग 54 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा हो गई है। पिछले 24 घंटे में उनकी नेटवर्थ 167 अरब डॉलर बढ़ी है। मस्क की नेटवर्थ में यह जबरदस्त बढ़ोतरी उनके रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स के बढ़ते मूल्य की वजह से हुई है। इसी वजह से उनकी दौलत दुनिया के बाकी सभी अरबपतियों से बहुत आगे निकल गई है। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने अब तक जितनी दौलत कमाई है, मस्क ने इन दोनों की कुल नेटवर्थ से ज्यादा सिर्फ इस साल कमा लिया है।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की कुल संपत्ति लगभग 638 अरब डॉलर (लगभग 58 लाख करोड़ रुपये) हो गई है। इतनी संपत्ति के साथ वह दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान लैरी पेज से 373 अरब डॉलर से भी ज्यादा आगे हैं। मस्क की इस तरक्की ने अमीर लोगों की लिस्ट में सबसे ऊपर के पायदान पर फासला और बढ़ा दिया है। इस

लिस्ट में ज्यादातर लोग टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं, जैसे कि बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनियों के मालिक, लग्जरी सामान बनाने वाले बड़े ग्रुप के मालिक और लंबे समय से निवेश करने वाले लोग। एलन मस्क की प्रमुख कमाई उनकी कंपनियों टेस्ला , स्पेसएक्स , एक्स, एक्सएआई आदि हैं। उनकी कुल संपत्ति का बहुत बड़ा हिस्सा टेस्ला और स्पेसएक्स से आता है। वे टेस्ला के लगभग 13 प्रतिशत और स्पेसएक्स के 42 प्रतिशत हिस्से के मालिक हैं। हाल ही में स्पेसएक्स के मूल्य में जो बढ़ोतरी हुई है, वही उनकी दौलत बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। मस्क टेस्ला से कोई पारंपरिक सैलरी नहीं लेते हैं। उनका मुआवजा कंपनी के शेयरों पर आधारित है। उन्होंने टेस्ला के शेयर बेचकर पैसे निकालने के बजाय, उन्हें लोन के लिए गिरवी रखा है। इससे वे अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी न केवल भारत के बल्कि एशिया के सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दूसरे स्थान पर हैं। एलन मस्क की साल 2025 की कमाई अंबानी और अडानी की कुल नेटवर्थ से भी ज्यादा है। अंबानी की नेटवर्थ 106 अरब डॉलर और अडानी की नेटवर्थ करीब 85 अरब डॉलर है। ऐसे में दोनों की कुल नेटवर्थ 191 अरब डॉलर होती है। वहीं मस्क ने इस साल 205 अरब डॉलर की कमाई की है। पिछले 24 घंटे में ही मस्क की नेटवर्थ में 167 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

## 3 प्रतिशत उछला नई नवेली लिस्टेड कंपनी का शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार में भारी बिकवाली के बीच नई नवेली लिस्टेड कंपनी मीशो लिमिटेड के शेयरों में आज 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर आज मंगलवार को बीएसई में 172.45 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन 13 प्रतिशत से अधिक की उछाल के बाद यह 193.50 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। यह कंपनी का 52 वीक हाई भी है। बता दें, आज की तेजी के बाद कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस 111 रुपये की तुलना में 70 प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ ट्रेड कर रहे हैं। शेयर बाजार में मीशो लिमिटेड की लिस्टिंग 10 दिसंबर को हुई थी। कंपनी की लिस्टिंग 53 प्रतिशत के प्रीमियम पर हुई थी। लेकिन उसके अगले दो दिन मीशो लिमिटेड के शेयरों की बिकवाली देखने को मिली। हालांकि, कंपनी कल यानी सोमवार को एक बार फिर से रिकवर करने में सफल रही। सोमवार को मीशो लिमिटेड के शेयरों का भाव 13 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। शुरुआत के 30 मिनट में ही 5 करोड़ शेयरों की खरीद और बिक्री हुई है। जिसकी कुल कीमत 950 करोड़ रुपये के बराबर है। यह कंपनी के 18 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। बता दें, मीशो लिमिटेड का मार्केट कैप 83 हजार करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है। मीशो के आईपीओ का साइज 5000 करोड़ रुपये से अधिक का था। कंपनी के आईपीओ 79 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया है। रिटेल कैटगरी में इस आईपीओ को 19 गुना सब्सक्राइब किया गया था। क्यूआईबी कैटगरी में आईपीओ को 120 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

# क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में हाहाकार

## बिटकॉइन 86000 डॉलर से नीचे आई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में मंगलवार को हाहाकार मच गया। बिटकॉइन से लेकर दूसरी प्रमुख करेंसी में 24 घंटे में 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप 24 घंटे में 3.75 प्रतिशत लुढ़क गया। इस गिरावट के साथ यह फिर से 3 ट्रिलियन डॉलर के नीचे आ गया है। वहीं बिटकॉइन की कीमत भी 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 86 हजार डॉलर से नीचे पहुंच गई। इस गिरावट को फेड रिजर्व की ब्याज कटौती से जोड़कर देखा जा रहा है।

सोमवार सुबह 8:30 बजे क्रिप्टोकरेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप 3.05 ट्रिलियन डॉलर था। मंगलवार सुबह 8:30 बजे यह गिरकर 2.93 ट्रिलियन डॉलर रह गया। ऐसे में इसमें 0.12 ट्रिलियन डॉलर (करीब 11 लाख करोड़ रुपये) की गिरावट आई। पिछले दो हफ्तों में क्रिप्टोकरेंसी में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट के चलते क्रिप्टोकरेंसी की फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स 21 पहुंच गया है। यह 100 के मुकाबले जितना कम होगा, लोगों में क्रिप्टो को लेकर उतना ही डर होगा।

पिछले कुछ समय में बिटकॉइन समेत लगभग सभी क्रिप्टो में गिरावट बनी हुई है। बिटकॉइन की कीमत पिछले 24 घंटे में 4.47 प्रतिशत गिरकर करीब 85700 डॉलर पर पहुंच गई है। पिछले 7 दिनों

में बिटकॉइन 5 फीसदी से ज्यादा गिर गई है। दो महीने पहले अक्टूबर में बिटकॉइन की कीमत करीब 1.25 लाख डॉलर पहुंच गई थी। ऐसे में इसमें तब से लेकर अब तक बड़ी गिरावट आई है।

बिटकॉइन के अलावा दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में भी हाहाकार मचा हुआ है। पिछले 24 घंटे में इथेरियम भी 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 3 हजार डॉलर से नीचे आ गया है। वहीं रिपल में भी बड़ी कमी देखी गई है। 24 घंटे में रिपल की कीमत 6 फीसदी से ज्यादा गिरकर 2 डॉलर से नीचे आ गई है। हाइपरलिक्विड क्रिप्टो भी 8 फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 1.50 डॉलर पर पहुंच गया है। पाई नेटवर्क में भी करीब 5 फीसदी की गिरावट आई। क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट को फेड रिजर्व से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं कुछ एक्सपर्ट के मुताबिक क्रिप्टोकरेंसी की बिकवाली बढ़ने और लिक्विडेशन बढ़ने के कारण कीमतों में भारी गिरावट आई।

# म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को होगा फायदा

## आईपीओ के नियम होंगे आसान, सेबी की बैठक में लग सकती है मुहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार नियामक सेबी निवेशकों के फायदे के लिए म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी में है। बुधवार को होने वाली बोर्ड बैठक में म्यूचुअल फंड की फीस कम करने, आईपीओ के नियमों को आसान बनाने और निवेशकों के खर्चों में पारदर्शिता लाने पर फैसला हो सकता है। साथ ही, सेबी अपने अधिकारियों के लिए हितों के टकराव से जुड़ी एक्सपर्ट पैनल की रिपोर्ट पर भी विचार करेगा। करीब 30 साल बाद नियमों की इतनी बड़ी समीक्षा की जा रही है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री 80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति मैनेज करती है। अक्टूबर में सेबी ने इक्विटी और डेट फंड्स में टोटल एक्सपेंस रेशियो (ञ्जश्वक्र) यानी कुल खर्च को कम करने का

प्रस्ताव दिया था। साथ ही ब्रोकरेज फीस घटाने की भी बात कही थी। ञ्जश्वक्र वह फीस है जो सेबी के नियमों के मुताबिक निवेशकों से स्कीम के खर्च के तौर पर ली जाती है। यह मैनेजमेंट और ऑपरेशनल खर्चों को पूरा करने के लिए निवेशकों से वसूली जाती है। अभी यह फीस फंड के साइज के हिसाब से अलग-अलग स्लैब में लगती है। सेबी ने अपने डिस्कशन पेपर में सुझाव दिया है कि म्यूचुअल फंड जो ञ्जश्वक्र चार्ज करते हैं, उसमें 15-20 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की जानी चाहिए।

### कैश ट्रांजेक्शन को लेकर बड़ा प्रस्ताव

एक और बड़ा प्रस्ताव कैश मार्केट ट्रांजैक्शन के लिए ब्रोकरेज को 12 बेसिस पॉइंट्स से घटाकर 2 बेसिस पॉइंट्स करना है। वहीं, डेरिवेटिव ट्रांजैक्शन के लिए इसे 5 बेसिस पॉइंट्स से घटाकर 1 बेसिस पॉइंट करने की बात है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि मार्केट के बिचौलिये इसका विरोध कर रहे हैं। सेबी का कहना है कि ब्रोकर अभी रिसर्च और सौदे कराने के नाम पर ज्यादा चार्ज वसूलते हैं। चूंकि रिसर्च करना फंड हाउस का अपना काम है। इसलिए निवेशकों से इसके लिए अलग से पैसे लेना गलत है। सेबी के मुताबिक, निवेशकों को अनजाने में एक ही चीज के लिए दो बार पैसे देने पड़ते हैं। आनंद राठी ग्रुप के चेयरमैन आनंद राठी के मुताबिक ब्रोकरेज में प्रस्तावित कटौती लंबे समय में निवेशकों के हित में नहीं हो सकती है। किसी भी म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन इस बात पर निर्भर करता है कि ब्रोकर्स उन्हें कितनी अच्छी सेल-साइड रिसर्च मुहैया कराते हैं।

### अतिरिक्त चार्ज हो सकते हैं खत्म

सेबी टैक्स को फंड की फीस से बाहर रखने और फंड हाउस की ओर से लिए जाने वाले कुछ अतिरिक्त चार्ज को खत्म करने पर भी मुहर लगा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ये बदलाव लागू होते हैं, तो म्यूचुअल फंड कंपनियों की कमाई थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन आम निवेशकों के लिए यह एक बड़ी राहत होगी।

## ढाई करोड़ साल पुरानी एक ऐसी 'रहस्यमय' झील, जिसका पानी बदलता रहता है अपना रंग

अगर आप इतिहास-भूगोल में जरा भी रूचि रखते हैं तो 'पामीर के पठार' के बारे में जरूर जानते होंगे. इसे दुनिया की छत कहा जाता है और इसी छत के बीच एक प्राचीन और 'रहस्यमय' झील भी है, जिसका नाम है कराकुल झील. समुद्र तल से करीब 4 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह झील 380 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है और 230 मीटर तक गहरी है. यह झील देखने में तो बेहद ही खूबसूरत लगती है, क्योंकि यह चारों तरफ से बर्फीले पहाड़ों और ऊंचे रेगिस्तानी इलाकों से घिरी हुई है, लेकिन इस झील तक पहुंचना इतना आसान नहीं है. यहां तक आने के लिए लोगों को जोखिम भरे सफर करने पड़ते हैं. हालांकि जोखिमों से नहीं डरने वाले लोग दूर-दूर से इस झील को देखने के लिए आते हैं.

वैसे सच्चाई तो किसी को नहीं पता, लेकिन कहा जाता है कि इस झील का निर्माण करीब ढाई करोड़ साल पहले धरती से एक उल्कापिंड के टकराने की वजह से हुआ था. पहले तो इस झील का नाम ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के नाम पर रखा गया था, लेकिन बाद में सोवियत संघ ने इसका नाम बदल दिया और कराकुल झील रख दिया, जिसका मतलब होता है काली झील। इस झील के बारे में कहा जाता है कि इसके पानी में नमक की मात्रा बहुत ही ज्यादा है और इस वजह से इसमें कोई भी जीव नहीं पाया जाता, बस एक खास तरह ही मछली ही इस पानी में जिंदा रह पाती है. इस मछली का नाम 'स्टोन लोच' है. यह मछली बलुआ तलछट वाली झीलों में आराम से रह सकती है. हालांकि समय-समय पर इस झील के आसपास के दलदली किनारों पर हिमालय पर्वत पर रहने वाले बाज और तिब्बती तीतर जरूर घूमते हुए चले आते हैं.

मृत सागर यानी डेड सी का नाम तो आपने सुना ही होगा, जिसके पानी में इतना नमक है कि वहां कोई भी जीव जिंदा नहीं रह सकता, कराकुल झील को भी दूसरा 'डेड सी' कहा जा सकता है. हैरान करने वाली ये भी है कि कराकुल झील में नाव चलाना भी लगभग नामुमकिन है और इसकी वजह है इसका खारा पानी. इससे भी ज्यादा हैरान करने वाली बात ये है कि झील के पास ही एक छोटा सा गांव भी है, जिसका नाम भी कराकुल है, लेकिन इस गांव में बहुत कम ही लोग रहते हैं और इस वजह से यह किसी 'भुतहा गांव' की तरह लगता है. इस झील को लेकर जो सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात है, वो ये कि इस झील का पानी दिन में कई बार अपना रंग बदलता है. कभी झील नीले रंग का दिखता है तो कभी फिरोजी और कभी हरे रंग का. शाम को तो इसका पानी गहरा काला दिखाई देने लगता है. अब ऐसा क्यों होता है, इसके बारे में कोई सटीक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है.

# रहस्य हैं ईस्टर आइलैंड पर मौजूद सैकड़ों रहस्यमयी मूर्तियां

वीरान टापू की खोज साल 1722 में डच एडमिरल याकूब रोगेवीन ने की थी. तब वे अपने तीन जहाजों के साथ इस टापू के पास पहुंचे थे. इस दौरान उनके दल को दूर से सैकड़ों ऊंची-ऊंची इंसानी आकृति दिखाई दीं. रोगेवीन और उनका दल जब जहाज से उतरकर टापू पर पहुंचा, तो उन्हें पत्थरों से बनी कई विशाल मूर्तियां देखने को मिलीं. जिन्हें देखकर वे हैरान रह गए. उन्होंने भी जानने की कोशिश की कि ये मूर्तियां इस वीरान टापू पर कैसे आईं तो उन्हें भी इसके बारे में कुछ पता नहीं चला.

**ईस्टर आईलैंड पर मौजूद सैकड़ों रहस्यमयी मूर्तियों के बारे में आजतक कोई नहीं जान पाया. ये मूर्तियां इतनी बड़ी और भारी-भरकम हैं कि वीरान पड़े इस आइलैंड पर इन्हें कैसे स्थापित किया गया होगा. इसके बारे में कोई नहीं जान पाया.**

दुनियाभर में ऐसे तमाम रहस्य हैं जिनमें से कुछ के बारे में तो इंसान जानता है लेकिन आज भी अनगिनत रहस्यों बना हुए हैं. पृथ्वी पर ऐसी कुछ चीजें मौजूद हैं जो बेहद विचित्र और रहस्यमयी है. वैज्ञानिक भी इन रहस्यों के बारे में पता नहीं लगा पाए. ऐसा ही एक रहस्य है ईस्टर आइलैंड पर मौजूद सैकड़ों रहस्यमयी मूर्तियों का. जो सैकड़ों साल से लोगों के लिए कौतूहल का विषय रहा है. इन मूर्तियों को किसने और कब बनाया इसे लेकर अलग-अलग तरह की बारे कहीं जाती है लेकिन सच्चाई के बारे में कोई नहीं जानता. दरअसल, प्रशांत महासागर में स्थित ईस्टर आइलैंड पर माओ मूर्तियां स्थापित हैं. इन मूर्तियों की स्थापना यहां किसने की इसके बारे में कोई नहीं जानता. ना तो बनाने वाले का आज तक पता चला और ना ही समय का कि कब इन मूर्तियों की यहां स्थापना की गई.

दुनियाभर के विशेषज्ञों ने इन मूर्तियों को लेकर अलग-अलग बातें कहीं गई लेकिन सच्चाई का कुछ भी पता नहीं चला. इस वीरान पड़े टापू पर कई ऐसी मूर्तियां भी देखने को मिलती है जिनकी ऊंचाई करीब

7 मीटर है. हैरानी की बात तो ये है कि पुराने समय में इतनी ऊंची और भारी मूर्तियों को बनाना उस समय के लोगों के लिए लगभग नामुमकिन होगा. इसीलिए इन मूर्तियों का रहस्य गहराता रहा है. ऐसे ही कई सवालों का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने इस वीरान टापू पर लंबे समय तक इन मूर्तियों पर शोध किया. लेकिन इससे फिर भी पर्दा नहीं हटा.

ईस्टर आइलैंड पर मौजूद सबसे बड़ी मूर्ति की ऊंचाई करीब 33 फीट है. जिसका वजन करीब 75 टन के बराबर है. ऐसा माना जाता है कि ये मूर्तियां करीब 1200 साल पुरानी हैं. जानकार बताते हैं कि इस वीरान टापू पर काफी समय पहले रापा नुई लोगों का बसेरा होता था. कुछ लोगों का कहना है कि इन विशालकाय मूर्तियों को उन्हीं रापा नुई लोगों ने यहां बनाया होगा. लेकिन सवाल ये है कि पुरानी मानव सभ्यता के लिए इन मूर्तियों को बनाना कितना मुश्किल रहा होगा. इस वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इन मूर्तियों का निर्माण इंसान ने नहीं बल्कि एलियंस ने किया था. उनके मुताबिक प्राचीन समय के लोगों के लिए इतने कठिन काम को करना नामुमकिन था. उन लोगों को पास इन्हें बनाने का कोई साधन नहीं था. जो इतने भारी भरकम पत्थरों को इधर से उधर ले जा सकें. वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ईस्टर आईलैंड पर मौजूद इन मूर्तियों को प्राचीन आदिवासियों ने बनाया था.

कुछ साल पहले यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के एक डॉक्टर ईस्टर आइलैंड के एक ज्वालामुखी के पास पहुंचे, जहां उन्होंने अंदर छुपी कई खदानें को खोजा. इसके साथ ही उन्हें वहां मूर्ति को बनाने के कई अवशेष भी मिले. जिनमें डलवा धातु की एक 7 इंच लंबी कुल्हाड़ी भी शामिल थी. इससे इस बात का पता चलता है कि इन मूर्तियों को प्राचीन समय में वहां के मूल निवासियों ने बनाया था. जिनका इस्तेमाल वे अपने धार्मिक अनुष्ठानों के लिए किया करते थे.

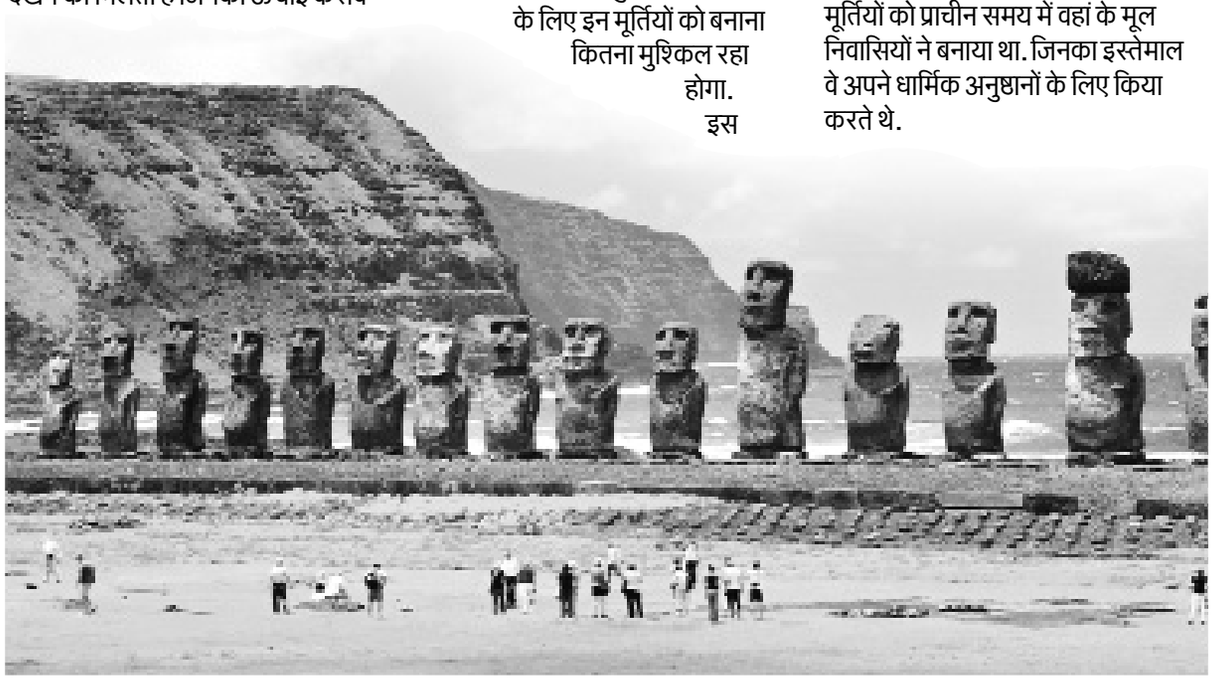

# दुनिया में सबसे दर्दनाक डंक वाली चींटी बुलेट एंट

**चींटी दुनिया की सबसे मेहनती और ईमानदार प्राणी मानी जाती है, पर इसकी एक प्रजाति ऐसी भी है जिसका डंक दुनिया में सबसे दर्दनाक माना जाता है. चीटियों की तमाम खूबियां होने के बावजूद दुनिया के लगभग हर कोने में पाई जाने वाली चींटी कई लिहाज से अनोखी है.**

छोटी सी होने के बावजूद चींटियों में ऐसी खूबियां होती है कि वह कई मायनों में तो इंसान तक को पीछे छोड़ देती है. लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि चींटियों की अलग-अलग प्रजातियों की भी अपनी खूबियां होती हैं. इनमें से एक प्रजाति ऐसी भी है जिसकी एक खासियत बहुत ही चौंकाने वाली है क्योंकि इसका डंक दुनिया का सबसे दर्दनाक डंक माना जाता है. इस खास प्रजाति का नाम भी कम रोचक नहीं है इसे बुलेट एंट कहते हैं.

बुलेट चींटी दुनिया की सबसे बड़ी चींटियों में से एक माना जाती है. इनका आकार 0.7 से 1.2 इंच तक का होता है. लेकिन लाल काले रंग की ये चींटियों के जहरीले डंक लगने से इंसान को इतना दर्द होता है कि लगता है कि कोई गोली लगी है. इसी लिए इसे बुलेट एंट नाम मिला है. ये बहुत ही ठंडे इलाकों को छोड़ कर दुनिया के हर कोने में मिलती हैं. बुलेट एंट का डंक दुनिया का सबसे दर्दनाक और जहरीला डंक माना जाता है. एक अध्ययन में यह केवल चीटियों में ही नहीं बल्कि किसी भी कीड़े की तुलना में सबसे दर्दनाक डंक पाया गया है. इतना ही नहीं इस डंक से मिले दर्द क असर 24 घंटे तक रहता है. इसलिए इन्हें 24 घंटे वाली चींटी भी कहा जाता है.

आमतौर पर चींटियां जमीन पर रहती हैं लेकिन बुलेट चींटियां ऐसी हैं जो जमीन पर नहीं बल्कि पेड़ पर रहती हैं. वैसे तो हर तरह की जलवायु में मिलती हैं, लेकिन ये वर्षावनों के पेड़ों वाले इलाकों में ज्यादा होती हैं और वहां भी ये पेड़ों के तने के निचले हिस्से में अपनी कॉलोनी बनाना पसंद करती हैं. इन चींटियों का एक उपयोग ब्राजील की एक आदि मानव की जनजाति में भी देखने को मिलता है. यहां की साटेरे मावे जनजाति में किशोर जब युवावस्था में कदम रखने वाला होता है तो उसे एक रस्म में भाग लेने होता है. उसे एक कार्यक्रम के दौरन अपने हाथ एक ऐसे ग्लोव में कम से कम 20 मिनट के लिए रखने होते हैं जिसके अंदर बुलेट चींटियां होती हैं. इसके बाद ही उसे मर्द की श्रेणी में गिना जाता है.

चीटियों में रानी चींटी खास होती है. वह अपनी कॉलोनी में अलग ही देखी जा सकती है क्योंकि वह दूसरी कामगार चींटियों से बड़ी होती हैं. पर हैरानी की बात ये है कि बुलेट चीटियों में ऐसा नहीं होता है. असल में रानी बुलेट चींटी कामगार चींटी से थोड़ी ही बड़ी रहती हैं इस वजह से दोनों में अंतर कर पाना मुश्किल हो जाता है. शांत होती हैं ये चींटियां, जीहां, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इन चींटियों का जहरीला डंक होने के बावजूद ये बहुत आक्रामक चींटियां नहीं होती हैं. लेकिन इनके जहरीले और दर्दनाक डंक की वजह से इन चींटियों से डरने वालों की कमी नहीं है. अपने जहर का उपयोग केवल उन एन्थ्रोपॉड कीड़ों के शिकार में करते हैं.

# शानदार आर्किटेक्चर की मिसाल वियतनाम का काऊ वांग पुल

वियतनाम का काऊ वांग पुल जिसे लोग गोल्डन ब्रिज के नाम से भी जानते हैं. इसकी खूबसूरती से निगाहें हटाना बेहद मुश्किल काम है. एक झलक में ही लोग इस पुल के दीवाने हो रहे हैं. इस पुल का इस्तेमाल करने वालों को ऐसा महसूस होता है मानो वो भगवान की हाथों पर चल रहे हो. दरअसल ये पूरा ब्रिज दो हाथों पर टिका है. यही कारण है कि इसका नजारा पर्यटकों को अपनी ओर और भी ज्यादा आकर्षित करता है. हज़ारों की संख्या में सैलानी इसे देखने के लिए आ रहे हैं. साल 2018 जून में इस पुल का उद्घाटन किया गया था. ये ब्रिज बा ना हिल्स के ऊपर मौजूद है. ब्रिज के दोनों तरफ लोबेलिया क्राइसेंथेमम फूल भी लगाए गए हैं जो इसे प्राकृतिक रूप से आकर्षक को खूबसूरत बनाते हैं. वियतनाम का प्राकृतिक सौंदर्य सदा ही पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां भ्रमण के लिए आते हैं। इन सबके बीच यहां एक मानव निर्मित ब्रिज अपनी खास शैली और विलक्षणता के चलते पर्यटकों के लिए जिज्ञासा और कौतुहलता का केंद्र बन गया है। पर्यटकों की विजिट लिस्ट में इसका नाम सबसे ऊपर है। जी हां, वियतनाम के इस मशहूर पुल को गोल्डन ब्रिज कहते हैं। स्थानीय लोगों के बीच यह काऊ वांग ब्रिज के नाम से भी मशहूर है। इस पुल की खूबी यह है कि पूरा ब्रिज दो बनावटी हाथों पर टिका हुआ है। इसे देखना रोमांचकारी है। यह ब्रिज वियतनाम के वास्तुकला व शिल्पकला का बेजोड़ नमूना है। यह दो बनावटी हाथों पर टिका हुआ है, जिससे इसे देखना रोमांचकारी हो जाता है।

यह ब्रिज डा नांग्स बाना हिल्स के ऊपर निर्मित है। इसकी खूबी यह है कि इतनी ऊंचाई पर निर्मित होने के बावजूद यह केवल दो हाथों के सहारे टिका है। समुद्र तल से 1400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस पुल का नजारा हैरान करने वाला है। दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो एक सड़क सीधे आसमान से नीचे की ओर आ रही है और उसे दो हाथों ने थामा हुआ है। गोल्डन ब्रिज की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए इसके दोनों ओर लोबेलिया क्राइसेंथेमम प्रजाति के फूल लगाए गए हैं। रंग-बिरंगे फूलों से इसका आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है।

## विशाल हाथों पर टिका

वियतनाम का नया ब्रिज पर्यटकों के बीच जिज्ञासा का विषय बन गया है इसे देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लग गई है। इंटरनेट पर भी इस ब्रिज की फोटो तेजी से वायरल हो रही है। गोल्डन रंग के इस ब्रिज को दो विशाल हाथों ने थाम रखा है। यह ब्रिज पैदल यात्रियों के लिए बनाया गया है। गोल्डन ब्रिज वियतनाम के बा-ना हिल्स पर समुद्र तल से 3,280 फीट की ऊंचाई पर बना है। इस ब्रिज पर रोज पर्यटकों की भीड़ देखी जा रही है। इसे दुनिया के सबसे बेमिसाल इंसानी स्ट्रक्चर्स में से एक कहा जा सकता है। इस ब्रिज का रंग सोने की तरह गोल्डन है। इसका डिजाइन एकदम अनोखा है। देखने में यह एक आम पुल की तरह है लेकिन इसे थामे विशाल हाथ इसे अलग ही लुक देते हैं। इसे बनाने वाले मुख्य डिजाइनर का कहना है कि हमने इन विशाल हाथों के जरिए दिखाया है कि पुल को भगवान ने अपने हाथों से थामा हुआ है।

## पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण

20वीं सदी की शुरुआत में बा-ना हिल्स का इलाका फांसीसी लोगों के लिए प्रमुख छुट्टियां बिताने का स्थान था। यहां पर अब भी कई फ्रेंच गांव और फ्रेंच गार्डन का प्रतिरुप है जिन्हे देखने पर्यटक आते हैं। यहां एक 5.8 किलोमीटर का केबल कार ट्रेक भी है जो कभी दुनिया का सबसे लंबा और ऊंचा केबल कार ट्रेक था। केबल कार से यात्रा करते हुए पर्यटकों को पुराने फ्रेंच गांव के अवशेष देखने को मिलते हैं।

## दुनिया में कई जगह बने हैं अनोखे ब्रिज

शानदार आर्किटेक्चर की मिसाल पेश करते ऐसे अनोखे ब्रिज दुनिया के कई देशो में बने हैं। जैसे लंदन का फैन ब्रिज, चीन का लक्की नॉट ब्रिज और सिंगापुर का हेलिक्स ब्रिज अपने बेहतरीन आर्किटेक्चर के लिए ही जाने जाते हैं। इन ब्रिज का डिजाइन शानदार है और केवल इन्हे देखने ही दुनियाभर से पर्यटक आते हैं।

अंडर 19 एशिया कप

# अभिज्ञान कुंडू का दोहरा शतक

● वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड ध्वस्त, अंडर 19 एशिया कप में रचा इतिहास

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की अंडर 19 टीम के विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू ने एशिया कप में धमाका ही कर दिया है. 17 साल के इस खिलाड़ी ने मलेशिया के खिलाफ दोहरा शतक ठोक दिया. इस टूर्नामेंट में ये किसी भी खिलाड़ी का बेस्ट स्कोर है और अपने करियर में पहली बार कुंडू ने डबल सेंचुरी मारी



है. अभिज्ञान ने महज 121 गेंदों में डबल सेंचुरी लगाई, उनके बल्ले से 26 छक्के-चौके निकले.

**अभिज्ञान कुंडू का ऐतिहासिक दोहरा शतक-** अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक की सबसे खास बात ये है कि वो पांचवें नंबर पर उतरकर दोहरा शतक लगाने में कामयाब रहे हैं. वैभव सूर्यवंशी के आउट होने के बाद कुंडू ने क्रीज पर कदम रखा और उन्होंने आते ही धमाकेदार शॉट्स खेलने शुरू कर दिए. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 44 गेंदों में अर्धशतक लगाया और फिर अगली 36 गेंदों में वो शतक तक पहुंच गए. कुंडू यहीं नहीं रुके और इस खिलाड़ी ने छक्के-चौकों की बरसात करते हुए महज 121 गेंदों में दोहरा शतक लगाया. वो छक्के से दोहरे शतक तक पहुंचे. इस खिलाड़ी ने 9 छक्के और 16 चौकों के दम पर अपनी डबल सेंचुरी पूरी की.

### अभिज्ञान कुंडू ने रचा इतिहास

अभिज्ञान कुंडू ने अंडर 19 एशिया कप में दोहरा शतक लगाकर इतिहास रच दिया है. वो अंडर 19 वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले इंडियन हैं. ये खिलाड़ी 125 गेंदों में 209 रन पर नाबाद रहा.इस पारी के साथ ही कुंडू ने बांग्लादेश के सौम्य सरकार को पीछे छोड़ दिया. सौम्य सरकार अंडर 19 लेवल पर दोहरा शतक लगाने वाले इकलौते एशियाई खिलाड़ी थे, उन्होंने भी 2012 में 209 रन बनाए थे लेकिन कुंडू ने 209 रन पर नाबाद रहकर ये रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. बता दें अभिज्ञान कुंडू की इस तूफानी पारी के दम पर भारत ने 50 ओवर में 408 रन बनाए.

### अभिज्ञान कुंडू ने जड़े हैं 122 शतक!

अभिज्ञान कुंडू का जन्म साल 2008 में हुआ था. इस खिलाड़ी ने मुंबई में छोटी सी उम्र से क्रिकेट का ककहरा सीखा. 8 साल की उम्र से ही कुंडू क्रिकेट के मैदान पर उतर गए और जल्द ही वो मुंबई की अंडर 14 टीम तक पहुंच गए. अभिज्ञान कुंडू के बचपन के कोच का दावा है कि इस खिलाड़ी ने 50 लाख से ज्यादा गेंद खेली हैं और उनके नाम 122 शतक हैं. वो लगभग 25 हजार रन भी बना चुके हैं.

दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025

# भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 8 स्वर्ण पदक

● भारत की तरफ से जतिन आजाद ने एसयू5 श्रेणी में 2 स्वर्ण पदक जीते। पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब जीता और फिर शिवम यादव के साथ पुरुष डबल्स में स्वर्ण पदक जीता।

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुबई में 7 से 14 दिसंबर तक आयोजित युवा एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 मेडल जीते। इसमें 8 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य पदक थे। भारत की तरफ से जतिन आजाद ने एसयू5 श्रेणी में 2 स्वर्ण पदक जीते। पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब जीता और फिर शिवम यादव के साथ पुरुष डबल्स में स्वर्ण पदक जीता। जतिन आजाद ने कहा, 'मैं सभी चैंपियनशिप में खेलना चाहता हूं, और ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर हासिल करना चाहता हूं। मुझे पता है कि मुझे लॉस एंजिल्स 28 पैरालिंपिक के लिए चुना जाएगा। 'आजाद ने कहा, 'हर किसी में शुरू करने की हिम्मत नहीं होती, लेकिन बस खेलो, अपना बेस्ट दो, अच्छी ट्रेनिंग करो, नतीजे मिलेंगे। '

**हर्षित चौधरी ने भी स्वर्ण पदक जीता-** हर्षित ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि हम हर चीज के लिए तैयार थे। मैं और मेरे साझीदार सकारात्मक रहे। ' दुबई 2025 सभी भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए पहला एशिया युवा खेल था। इस इवेंट ने खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया है। लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक के पहले पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए यह एक अहम इवेंट था। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अच्छा कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स हो या फिर ओलंपिक, भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को जोरदार टक्कर दे रहे हैं और पदक जीत रहे हैं। ऐसे में पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का दुबई में शानदार प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन की मजबूती और गहराई को दिखाता है। एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखने के बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक में भी बैडमिंटन में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

# बुमराह ने बीच में ही क्यों छोड़ दी T20 सीरीज?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह की धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से अनुपस्थिति ने तुरंत सवाल खड़े कर दिए, खासकर तब जब वह पांच मैचों की करीबी श्रृंखला में भारत की गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ माने जाते हैं. सीनियर तेज गेंदबाज रविवार को मैदान पर नहीं उतरे, जिससे हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस अहम मुकाबले के लिए भारत को अपने तेज गेंदबाजी संसाधनों में बदलाव करना पड़ा.

### सूर्या ने टॉस के बाद दी जानकारी

टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने स्पष्ट किया कि बुमराह व्यक्तिगत कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, जबकि अक्षर पटेल भी बीमार पड़ने के कारण मैच से बाहर रहे. बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुष्टि की कि बुमराह एक पारिवारिक मामले के चलते मुंबई लौट गए हैं, जिसके कारण उन्हें श्रृंखला के बीच में ही टीम छोड़नी पड़ी.

### आखिर क्या है मामला

एक रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह को घर लौटना पड़ा क्योंकि उनके एक बेहद करीबी पारिवारिक सदस्य फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं. स्थिति ऐसी थी कि उनकी तत्काल मौजूदगी जरूरी हो गई, और पूरा ध्यान इस निजी आपात स्थिति से निपटने पर केंद्रित रहा. नाम न बताने की शर्त पर बात करने वाले बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संकेत दिया कि बुमराह की श्रृंखला में वापसी पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगी कि हालात कैसे आगे बढ़ते हैं. बुमराह की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रृंखला में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली. कटक में पहला टी20 जीतने के बाद भारत को मुल्लांपुर में खेले गए दूसरे मैच में 51 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा था, जिससे धर्मशाला का मुकाबला बेहद अहम बन गया था.

### आखिरी 2 मुकाबलों से अक्षर पटेल बाहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल बीमारी की वजह से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के शेष 2 मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। हालांकि, अक्षर लखनऊ में टीम के

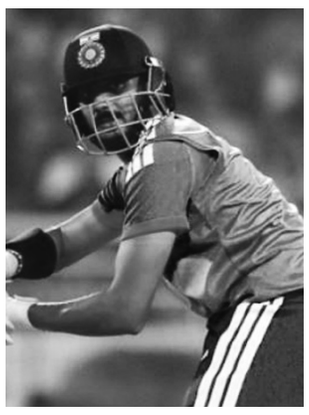

साथ हैं, जहां उनका मेडिकल चेकअप किया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने लखनऊ और अहमदाबाद में होने वाले टी20 मुकाबलों के लिए शाहबाज अहमद को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ कटक में खेले गए सीरीज के पहले मैच को 101 रन से अपने नाम किया था। इस मुकाबले में मेजबान टीम ने 6 विकेट खोकर 175 रन बनाने के बाद मेहमान टीम को 12.3 ओवरों में 74 रन पर समेट दिया।

### पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेट कप्तान अर्जुन रणतुंगा की होगी गिरफ्तारी

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंका को वर्ष 1996 में क्रिकेट विश्व कप जिताने वाली टीम के कप्तान और पूर्व पेट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा। यह जानकारी बीबीसी न्यूज़ सिंहला के हवाले से सामने आई है। सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सिलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसी) के पूर्व अध्यक्ष और अर्जुन रणतुंगा के भाई धम्मिका रणतुंगा को रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। धम्मिका रणतुंगा को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए गठित आयोग ने गिरफ्तार किया था। जांच आयोग ने अदालत को बताया कि इस मामले में पूर्व पेट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा को संदिग्ध के रूप में पहचाना गया है और उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा। धम्मिका रणतुंगा पर आरोप है कि उन्होंने 2017-2018 के दौरान ईंधन की खरीद के लिए जारी तीन दीर्घकालिक (लॉन्ग-टर्म) टेंडरों को रद्द कर दिया और उनकी जगह अधिक कीमत वाले स्थानीय टेंडर लागू किए। इसके कारण सिलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को लगभग 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

# एशेज : बॉन्डी बीच गोलीबारी की घटना के बाद एडिलेड टेस्ट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

**एडिलेड, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच बुधवार से एडिलेड ओवल में खेला जाना है। इससे पहले प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने का ऐलान किया है। यह फैसला सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद लिया गया है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के स्टेट प्रीमियर पीटर मलिनाउस्कस ने बताया कि स्टेडियम के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा नियम लागू किए जाएंगे। इनमें राइफल से लैस पुलिसकर्मियों की तैनाती भी शामिल होगी। उन्होंने कहा कि सिडनी की घटना को देखते हुए यह कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया है और फिलहाल सतर्क रहना जरूरी है। डेली मेल के हवाले से मलिनाउस्कस ने कहा, 'सिडनी में हुई घटनाओं को देखते हुए, एडिलेड ओवल में अतिरिक्त प्रोटोकॉल लागू किए जाएंगे। यह सिर्फ़ एहतियात के तौर पर किया जा रहा है, लेकिन यह सही है कि इस समय हम ज़्यादा सतर्क रहें। 'बॉन्डी बीच पर यह हमला एक यहूदी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुआ था, जिसमें दो लोगों ने गोलीबारी की। इस घटना में 16 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हमलावरों को जल्द ही पकड़ लिया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई और दूसरा अस्पताल में गंभीर हालत में है। इस घटना के बाद दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पुलिस आयुक्त ग्रांट स्टीवंस ने बताया कि मैच के दौरान एडिलेड ओवल के आसपास विशेष रूप से प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम हैं।

# कैमरन ग्रीन को 25.20 करोड़ में केकेआर ने खरीदा

### स्टार्क और कमिंस का रिकॉर्ड टूटा, बने सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में कैमरन ग्रीन पर ताबड़तोड़ बोली लगी है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के लिए पहले राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच जंग हुई। उसके बाद सीएसके की इसमें एंट्री हुई। बाद में बाजी केकेआर ने मारी और ग्रीन को 25.20 करोड़ में अपने साथ जोड़ा। कैमरन ग्रीन अब आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी और सबसे महंगे विदेशी बन गए हैं। कैमरन ग्रीन की इस बोली से पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड टूट गया है। कमिंस को आईपीएल 2024 में हुए ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ में खरीदा था। वहीं स्टार्क पर केकेआर ने ही 2024 ऑक्शन में 24.75 करोड़ की बोली लगाई थी। अब केकेआर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और कैमरन ग्रीन पर करोड़ों की बारिश हुई।

### आईपीएल इतिहास के पांच सबसे महंगे खिलाड़ी

● **ऋषभ पंत**- 27 करोड़ (लखनऊ सुपर जायंट्स) ● **श्रेयस अय्यर**- 26.75 करोड़ (पंजाब किंग्स) ● **कैमरन ग्रीन**- 25.20 करोड़ (केकेआर), 2025 मिनी ऑक्शन ● **मिचेल स्टार्क**- 24.75 करोड़ (कोलकाता नाइट राइडर्स) ● **वेंकटेश अय्यर**- 23.75 करोड़ (कोलकाता नाइट राइडर्स)

### नहीं मिलेंगे 18 करोड़ से ज्यादा रुपए

गौरतलब है कि आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए मैक्सिमम फीस नियम लागू किया गया है। इस नियम के तहत किसी भी विदेशी खिलाड़ी को 18 करोड़ रुपये से ज्यादा का पेमेंट नहीं किया जा सकता, जो 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों को रिटेन करने के लिए सबसे बड़ा स्लैब था। अगर बोली 18 करोड़ रुपये से ज्यादा होती है तो अतिरिक्त पैसे का इस्तेमाल बीसीसीआई खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए करेगा। यह नियम भारतीय खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा।

# शेफाली वर्मा ने जीता आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को नवंबर 2025 के लिए 'आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना गया है। शेफाली वर्मा ने बीते महीने संपन्न हुए महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ यादगार पारी खेली थी। शेफाली ने थाईलैंड की थिपत्चा पुथावोंग और यूएई की ईशा ओझा को पछाड़कर अपना पहला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड जीता है। शेफाली वर्मा को महिला वनडे विश्व कप में चोटिल प्रतिका रावल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया था। शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में महज 10 रन की पारी खेली, जिसके बाद खिताबी मुकाबले में 78 गेंदों का सामना करते हुए 2 छक्कों और 7 चौकों के साथ 87 रन बनाए। यह वर्ल्ड कप फाइनल में किसी भारतीय महिला ओपनर का सबसे बड़ा स्कोर है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। आईसीसी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में शेफाली ने कहा, 'मेरा पहला आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का अनुभव वैसा नहीं रहा जैसा मैंने सोचा था, लेकिन यह सफर उससे कहीं बेहतर तरीके से खत्म हुआ जैसा मैंने कभी सोचा या कल्पना की थी। मैं शुक्रगुजार हूं कि फाइनल में टीम की सफलता में योगदान दे पाई और पहली बार वर्ल्ड कप जीतने और घरेलू दर्शकों के सामने इतिहास रचने का हिस्सा बन पाई। उन्होंने कहा, 'मुझे नवंबर के लिए 'महिला प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने जाने पर बहुत गर्व है। मैं यह अवॉर्ड अपनी टीम के साथियों, कोच, परिवार और उन सभी को समर्पित करती हूं जिन्होंने अब तक यात्रा में मेरा साथ दिया है। हम एक टीम के तौर पर जीतते और हारते हैं। यह बात इस अवॉर्ड पर भी लागू होती है। खराब फॉर्म के बाद शेफाली वर्मा ने भारतीय महिला टीम से अपनी जगह गंवा दी थी, लेकिन विश्व कप में उन्हें गोल्डन चांस मिल गया। इस मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए शेफाली वर्मा ने आलोचकों को करारा जवाब दिया। शेफाली अब 21 दिसंबर से विशाखापत्तनम में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए नजर आएंगी।

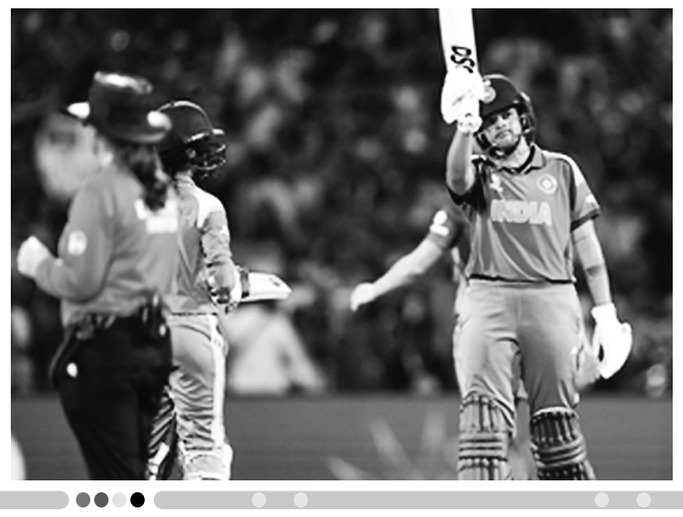

# वंतारा दौरे के साथ मेसी ने भारत को कहा अलविदा, यादों और सम्मान के साथ G.O.A.T इंडिया टूर समाप्त

**जामनगर, एजेंसी।** स्टेडियमों से दूर, जामनगर में वंतारा का दौरा मेसी के भारत प्रवास का शांत और सार्थक समापन रहा। इसके साथ ही मेसी यादों, सम्मान और भारतीय प्रशंसकों के असीम प्रेम के साथ भारत से विदा हुए। फुटबॉल जगत के महान खिलाड़ी लियोनल मेसी ने मंगलवार को गुजरात के जामनगर एयरपोर्ट से भारत से विदाई ली। इससे पहले मेसी ने अनंत अंबानी के आमंत्रण पर वंतारा वन्यजीव बचाव और संरक्षण केंद्र का दौरा किया। जामनगर, मेसी के GOAT इंडिया टूर 2025 का अंतिम पड़ाव रहा, जिसके साथ उनका बहुप्रतीक्षित भारत दौरा औपचारिक रूप से समाप्त हो गया।

**चार शहरों का ऐतिहासिक दौरा-** GOAT इंडिया टूर 2025 के दौरान मेसी ने भारत के चार प्रमुख शहरों, कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा किया।

## न्यूज डायरी

### हरियाणा सरकार देगी 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के परिजनों को सरकारी नौकरी : उपायुक्त

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों में मृतकों के पीड़ित परिवारों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया है। यह नियुक्ति हरियाणा कौशल निगम के अंतर्गत योग्यता के आधार पर दी जाएगी।

सरकार ने ऐसे परिवारों को यह लाभ देने का निर्णय लिया है, जिनके परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान हरियाणा में अथवा हरियाणा से बाहर हुई थी। नियुक्ति हरियाणा राज्य में ही दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिला पंचकूला से संबंधित प्रभावित परिवार 18 दिसंबर को प्रातः 10:00 बजे तक कमरा नंबर 120, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला में निम्नलिखित जानकारी एवं दस्तावेज़ जमा करवाएं, ताकि इन्हें समय पर सरकार को भेजा जा सके। मृतक का नाम, मृत्यु की तिथि एवं स्थान, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति, एफआईआर की प्रति अथवा अन्य संबंधित दस्तावेज़, जो यह प्रमाणित करें कि मृत्यु 1984 के सिख विरोधी दंगों में हुई थी। जिस परिवार सदस्य को नौकरी दी जानी है उसका नाम, आधार नंबर, शैक्षणिक योग्यता, मृतक के साथ संबंध, आयु एवं जन्म तिथि, श्रेणी का विवरण (एससी/ओबीसी/एसटी/सामान्य), पीड़ित परिवार का रिहायशी प्रमाण पत्र (हरियाणा या यूटी/अन्य राज्य का)

### सेक्टर-10 में महापौर कुलभूषण गोयल का सम्मान, सफाई मित्रों ने जताया आभार

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। सेक्टर-10 में पार्षद सोनिया सूद की अध्यक्षता में पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह सफाई मित्रों द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें पिछले लगभग पांच वर्षों में शहर में कराए गए विकास कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सफाई मित्रों, जनप्रतिनिधियों और शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर पार्षद सोनिया सूद ने कहा कि महापौर कुलभूषण गोयल के नेतृत्व में पंचकूला में हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य किए गए। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के सभी वार्डों में समान रूप से काम कराया गया, जिससे शहर का समग्र विकास संभव हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि आज पंचकूला स्वच्छता के क्षेत्र में अन्य शहरों की तुलना में आगे है, जिसका श्रेय सफाई मित्रों और नगर निगम की टीम को जाता है।

### अनुराधा पूरी ने दिया स्वदेशी महा-मेले का निमंत्रण, पंचकूला में 19 से 28 दिसंबर तक सजेगा आत्मनिर्भर भारत का उत्सव

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से पंचकूला में 19 दिसंबर से 28 दिसंबर तक एक भव्य स्वदेशी महा-मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में लगाया जाएगा, जहां देशभर से आए स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करना और विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना है।

स्वदेशी महा-मेला को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने और अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों को मेले में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के उद्देश्य से आज भाजपा जिलाध्यक्ष अजय मित्तल की धर्मपत्नी बिंदु मित्तल, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनुराधा पूरी तथा सुनीता गर्ग पंचकूला सेक्टर-10 स्थित सनातन धर्म मंदिर और पारस मंदिर पहुंचीं। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में उपस्थित महिलाओं और पुरुषों को 19 दिसंबर से लगने वाले स्वदेशी महा-मेला के लिए आमंत्रण दिया और अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं और स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अनुराधा पूरी ने कहा कि स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। इस दौरान मंदिर के प्रधान ने अनुराधा पूरी, बिंदु मित्तल और सुनीता गर्ग को चोला देकर सम्मानित किया और आश्वासन दिया कि मंदिर से जुड़े अधिक से अधिक लोग स्वदेशी महा-मेला में भाग लेंगे तथा स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लेंगे।

# पंचकूला में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

- रोजगार सृजन को बढ़ावा देने हेतु मंथन
- प्रधान सचिव राजीव रंजन ने की बैठक की अध्यक्षता

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। जिला रोजगार कार्यालय, पंचकूला व डीआईसी पंचकूला की ओर से आज पीडब्लयू रैस्ट हाउस सैक्टर -1 पंचकूला के सभागार में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत रोजगार योजना को प्रोत्साहित करने हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचकूला के विभिन्न एशोसिऐशन के प्रतिनिधियों समेत प्रमुख हस्पताल, स्कूल के नियोजकों समेत लगभग सौ प्रमुख नियोक्ता शामिल रहे।

बैठक की अध्यक्षता श्री राजीव रंजन, प्रधान सचिव युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा द्वारा की गई।

उन्होंने सभी नियोक्ताओं को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को लागू करने के लिए जागरूक किया। श्री राजीव रंजन ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत यह योजना 1 अगस्त 2025 से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) के रूप में लागू हो चुकी हैं। यह नाम विकसित भारत पहल के प्रति योजना के समग्र उद्देश्यों के अनुरूप है और देश में समावेशी एवं स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केंद्र सरकार द्वारा उपरोक्त योजना हेतु 99,446 करोड रुपये की राशि स्वीकृत की गई। योजना का लक्ष्य दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार को प्रोत्साहित करना है। श्री राजीव रंजन ने बताया कि योजना के भाग ए के तहत पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को सीधा लाभ दिया जाएगा। ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को एक माह का ईपीएफ वेतन, अधिकतम 15,000 रूपये तक, दो किश्तों में मिलेगा। यह लाभ एक लाख रूपये तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों के लिए है। बैठक मे श्री मनोज ग्रोवर, जिला रोजगार अधिकारी, पंचकूला श्री वैभव सिंह, रीजनल पीएफ कमिश्नर ईपी एफओ, श्री हरिओम, संयुक्त निदेशक ईएसआईसी, श्री नवीन शर्मा, डीएलसी पंचकूला, श्री अरूण ग्रोवर, अध्यक्ष इंडस्ट्रीयल वेल्फेयर एसोसिएशन, फेज -1 पंचकूला, श्री रमेश अग्रवाल अध्यक्ष इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन, फेज -2 पंचकूला, श्री शिद्वेश, सहायक रोजगार अधिकारी, मोरनी, श्रीमति कविता जौशी, सहायक रोजगार अधिकारी पंचकूला, श्रीमती गुरूप्रीत आंकडा सहायक, श्रीमति पूजा व जीएम डीआईसी आदि मौजूद रहे।

### विधवा महिलाओं के लिए 3 लाख रुपये तक की ऋण योजना, पंचकूला में 20 मामलों का लक्ष्य

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने हेतु बैंको के माध्यम से 3 लाख रूपये तक के ऋण दिलवाने की योजना शुरू की गई है, जिसमें जिला पंचकूला के लिए 20 केसों का लक्ष्य रखा गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए महिला विकास निगम की जिला प्रबंधक श्रीमती कमलेश कुमारी ने बताया कि योजना के अंर्तगत जिन महिलाओं की वार्षिक आय 3 लाख रूपये तक तथा आयु 18 से 60 वर्ष है, वो इस योजना के लिए पात्र होंगी। उन्होने बताया कि कुल ऋण का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला को स्वयं वहन करना होगा तथा शेष राशि बैकों के माध्यम से दी जाएगी। बैंक ऋण के उपर लगे ब्याज की प्रतिपुर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रूप में अदा की जाएगी। जिसकी अधिकतम सीमा 50,000 रूपये व अवधि 3 वर्ष जो भी पहले होगी। उन्होने बताया कि विभिन्न गतिविधियों जैसे कि बुटिक, सिलाई कढाई, आटो, ई-रिक्शा, मसाला, आचार ईकाइयां, खाद्य प्रसंसकरण, कैरी बैग का निर्माण, बेकरी, रेडीमेड गारमेंटस, कम्पयूटर जांच वर्कस इत्यादि तथा अन्य किसी भी कार्य जिसको महिलाएं करने में सक्षम हो उन सभी कार्यों के लिए ऋण देने से पूर्व ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी ताकि महिला अपने कारोबार या लघु उद्योग स्थापित करने में कार्य कुशलता की कमी महसूस न हो। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिये निगम के कार्यालय जिला प्रबन्धक हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिग, मिनी सचिवालय सैक्टर-1 पंचकूला, फोन न0 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

### हरियाणा पुलिस का 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' : अपराध, नशा और साइबर ठगी पर निर्णायक प्रहार 768 हॉटस्पॉट्स पर एक साथ कार्रवाई, 156 गिरफ्तार, 62 एफआईआर दर्ज

हिन्द जनपथ

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। हरियाणा पुलिस ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के तहत एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए राज्यभर में एक साथ 768 चिन्हित हॉटस्पॉट्स पर दबिश दी, 156 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 62 नए आपराधिक मामले दर्ज किए। इस राज्यव्यापी सघन अभियान ने नशा तस्करी, अवैध शराब, जुआ, हथियारों की तस्करी और संगठित अपराध के नेटवर्क पर करारा प्रहार करते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया है।

इस व्यापक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 62 नए आपराधिक मामले दर्ज किए, जिनमें नशा, शराब तस्करी और जुआ से जुड़े 59 तथा आर्म्स एक्ट के 3 मामले शामिल हैं। त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप कुल 156 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 42 लंबे समय से फरार हिंसक अपराधी और आर्म्स एक्ट के तहत पकड़े गए 5 आरोपी शामिल हैं।

गुरुग्राम पुलिस ने 69 हॉटस्पॉट्स पर कार्रवाई करते हुए 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 14 हिंसक अपराधी शामिल हैं। यहां से 30,950 रुपये की संदिग्ध नकदी भी बरामद की गई।

अम्बाला में अवैध आपूर्ति के नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 35 गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जबकि कुरुक्षेत्र पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 4.6 किलोग्राम अफीम की भूसी बरामद की।

अभियान के दौरान हरियाणा पुलिस ने अपराधियों की कुल 71,710 रुपये की नकदी जब्त की। शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में 72 बीयर बोतलें, 2,392 अंग्रेजी शराब की बोतलें, 460 देसी शराब की बोतलें, 99 लीटर अवैध शराब और 518 लीटर लाहन बरामद की गई।

### सेक्टर-10 में सामुदायिक केंद्र का निर्माण अंतिम चरण में, जल्द मिलेगा लोगों को लाभ

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। सेक्टर-10 में निर्माणाधीन नए सामुदायिक केंद्र का कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने सामुदायिक केंद्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापौर ने बताया कि सामुदायिक केंद्र के निर्माण के बाद सेक्टर-10 सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस परियोजना पर लगभग 7.50 करोड़ रुपये की लागत आई है। विशेष रूप से मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए यह केंद्र लाभकारी साबित होगा, क्योंकि उन्हें अपने बच्चों की शादियों व अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए महंगे मैरिज पैलेसों में नहीं जाना पड़ेगा। सामुदायिक केंद्र के ग्राउंड फ्लोर पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त बैंक्वेट हॉल बनाए गए हैं, जहां करीब 600 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। यहां किचन व पेंट्री की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा बैंक्वेट हॉल में पार्टीशन की व्यवस्था की गई है, जिससे 150-150 लोगों के छोटे कार्यक्रम भी आसानी से आयोजित किए जा सकेंगे। पहली मंजिल पर बैंक्वेट हॉल के साथ छह कमरे, दो बैडमिंटन कोर्ट तथा एक खेल कक्ष का निर्माण किया गया है, जिसमें कुल 12 कमरे शामिल हैं। वहीं दूसरी मंजिल पर एक बड़ा हॉल, लाइब्रेरी तथा छह अतिरिक्त कमरों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे सामुदायिक गतिविधियों के साथ-साथ शैक्षणिक व सांस्कृतिक आयोजनों को भी बढ़ावा मिलेगा। महापौर कुलभूषण गोयल ने कहा कि यह सामुदायिक केंद्र क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा और सामाजिक जीवन को नई दिशा देगा।

### लंबित मांगों के समर्थन में संयुक्त कर्मचारी मोर्चा की विशाल कन्वेंशन हुई सम्पन्न

हिन्द जनपथ

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। संयुक्त कर्मचारी मोर्चा की यूटी एवं एमसी कर्मचारियों की लंबित मांगों के समर्थन में भकना भवन में एक विशाल कन्वेंशन का आयोजन हुआ।

इस कन्वेंशन में चंडीगढ़ के प्रमुख कर्मचारी संगठनों व फैडरशनों ने भाग लिया।

कर्मचारी संगठनों के प्रमुख लीडरों ने वर्षों से लंबित मांगों के निवारण पर चंडीगढ़ व एम सी प्रशासन के ढुलमुल रवैए पर रोष जाहिर करते हुए अपने अपने विचार रखे।

कन्वेंशन में रैगुलर, कांट्रैक्ट व आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों की प्रमुख मांगे जैसे बारहमासी कार्यों में डेली वेज, कांट्रैक्ट व आऊटसोर्सिंग कर्मचारियों के नियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन, नए श्रम कानून रद्द करने, युक्तिकरण की आड़ में कच्चे कर्मचारियों की छंटनी बंद करने, सीटीयू व बिजली विभाग में लगे एस्मा हटाने, क्रैच कर्मचारियों को दिए गए टर्मिनेशन व रिटायरमेंट आडर रद्द करने, सीटीयू कर्मचारी यूनियन के लीडरों पर दर्ज की गई एफ आई आर रद्द करने, बिजली विभाग से स्थानांतरित सरकारी कर्मचारियों को दूसरे सरकारी दफ्तरों में एडजस्ट करने, पूर्णतः केंद्रीय नियम लागू कर प्रमोशन की पोस्टें यूटी कर्मचारियों को देने, सातवां वेतनमान लागू करने वह भत्तों समेत एरियर का भुगतान करने, ईएसआई व बोनस की लिमिट 50000 तक बढ़ाने, सीजीएचएस मैडिकल सुविधा देने, मृतकों के आश्रितों को सीलींग हटा नौकरी देने इत्यादि मांगें शामिल रहीं।

कन्वेंशन में कन्वीनर गोपाल दत्त जोशी ने सीटीयू में नई इलेक्ट्रिक बसों के आगमन पर एस्मा की आड़ में प्रशासन द्वारा दस साल की सेवाएं पूरी कर चुके ड्राइवरों व कंडक्टरों को टर्मिनेट करने पर खेद व्यक्त किया व प्रशासन से उनकी तत्काल बहाली की मांग की।

कन्वीनर सुखबीर सिंह ने बारहमासी कार्यों में सभी वर्गों के कच्चे कर्मचारियों के नियमितीकरण व समान कार्य समान वेतन की मांग रखी।

कन्वीनर अश्विनी कुमार ने केंद्रीय नियमों को पूर्णतः व सातवें वेतनमान की मांग रखी। कन्वीनर बिपिन शेर सिंह ने कच्चे कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा की मांग की। कन्वेंशन में फैडरेशन ऑफ यूटी एवं एम सी इम्प्लाइज, ज्वाइंट इम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन, ज्वाइंट एक्शन कमेटी आफ यूटी एवं एम सी इम्प्लाइज, ज्वाइंट एक्शन कमेटी आफ टीचर्स, सीटीयू वर्कर्स यूनियन व आल कांटरैकचुअल कर्मचारी संघ भारत की प्रमुख कार्यकारिणी से राजेन्द्र कटोच, हरकेश चंद, सुब्रमण्यम, अमरीक सिंह, सुखबीर सिंह, अश्विनी कुमार, सुरमुख सिंह, रणबीर राणा, शिव मूरत यादव, धर्मेंद्र राही, बिपिन शेर सिंह, अशोक कुमार व गुरप्रीत बावा शामिल रहे।

### गुरुग्राम को सुव्यवस्थित, सुगम और नागरिक-अनुकूल शहर बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : राव नरबीर सिंह

हिन्द जनपथ

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। गुरुग्राम शहर को यातायात जाम एवं जलभराव की समस्या से स्थायी समाधान दिलाने के उद्देश्य से हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने सोमवार को शहर के विभिन्न हिस्सों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए), गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल), नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी), हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) तथा एचएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ मौजूद रहे।

निरीक्षण की शुरुआत हीरो होंडा चौक से करते हुए कैबिनेट मंत्री ने फ्लाईओवर की मरम्मत कार्यों, मेट्रो निर्माण से पूर्व तैयारियों तथा यातायात प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले वाहन डायवर्जन एवं विस्तृत मोबिलिटी प्लान तैयार किया जाए, ताकि आमजन को न्यूनतम असुविधा हो और ट्रैफिक सुचारु बना रहे। इसके उपरांत राव नरबीर सिंह ने उमंग भारद्वाज चौक से गाड़ौली गांव तक सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने जीएमडीए, नगर निगम और एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों को संयुक्त बैठक कर सड़क के जीर्णोद्धार, चौड़ीकरण तथा प्रभावी जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राव ने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण से पूर्व अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी की जाए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। गांव गाड़ौली में बादशाहपुर ड्रेन का निरीक्षण करते हुए कैबिनेट मंत्री ने ड्रेन को पक्का करने तथा उसकी नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी औद्योगिक इकाई का प्रदूषित पानी ड्रेन में न छोड़ा जाए और इस संबंध में नियमित निगरानी की जाए शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुगम बनाने के लिए कैबिनेट मंत्री ने सेक्टर-9 स्थित ग्रीनवुड स्कूल के समीप, सेक्टर-7 एवं 9 चौक, पालम विहार में बजघेड़ा फ्लाईओवर से पहले कृष्णा चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था का निरीक्षण किया।

### आईआईटी रोपड़ में भौतिकी शिक्षा पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन; विशेषज्ञों ने एआई, क्वांटम लर्निंग पर की चर्चा

हिन्द जनपथ

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)**। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ ने सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी शिक्षा सम्मेलन (आईसीपीई) 2025 का उद्घाटन किया, जो तेजी से विकसित हो रहे वैज्ञानिक और तकनीकी परिदृश्य के संदर्भ में भौतिकी शिक्षा पर पुनर्विचार और उसे मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय वैश्विक बैठक है। यह सम्मेलन 16 से 20 दिसंबर, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय शुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी संघ (आईयूपीएपी) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

भारत और विदेश के भौतिकविदों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाते हुए, आईसीपीई 2025 का उद्देश्य भौतिकी शिक्षा में समकालीन चुनौतियों का समाधान करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों के अनुरूप नवीन शिक्षण और सीखने की प्रथाओं का पता लगाना है।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, राष्ट्रीय विज्ञान चेयर और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु में भौतिकी के प्रोफेसर, प्रो. अजय कुमार सूद उपस्थित हुए। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) मोहाली के निदेशक प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. सूद ने भारत की वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने में भौतिकी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। उन्होंने छात्रों को भविष्य की वैज्ञानिक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम विज्ञान और आभासी प्रयोगशालाओं जैसे क्षेत्रों में आधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोणों की आवश्यकता पर बल दिया।

उद्घाटन समारोह में कई जाने-माने शिक्षाविद भी शामिल हुए, जिनमें प्रो. मंजुला शर्मा, IUPAP कमीशन ऑन फिजिक्स एजुकेशन (C14) की चेयरपर्सन और सिडनी यूनिवर्सिटी में साइंस एजुकेशन की प्रोफेसर; प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर, IUPAP C14 के सदस्य और पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के पूर्व वाइस-चांसलर; प्रो. पी.के. अहलूवालिया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (IAPT) के प्रेसिडेंट और पद्म श्री प्रो. एच.सी. वर्मा शामिल थे।

आईसीपीई 2025 विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर केंद्रित है, जिसमें भौतिकी शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण, क्वांटम यांत्रिकी और क्वांटम प्रौद्योगिकियों में शिक्षा, आभासी प्रयोगशालाएं और सिमुलेशन-आधारित शिक्षा, सक्रिय शिक्षण पद्धतियां, भौतिकी में लैंगिक समानता और समावेशिता, और व्यावहारिक शिक्षा के लिए कम लागत वाले प्रयोगात्मक उपकरणों का विकास शामिल है।

सम्मेलन में मजबूत अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी देखी गई है, जिसमें सिडनी विश्वविद्यालय, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, कंसास स्टेट विश्वविद्यालय, ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय, ओरेगन विश्वविद्यालय, चियांग माई विश्वविद्यालय, ल्युब्लियाना विश्वविद्यालय, उप्साला विश्वविद्यालय, उदीने विश्वविद्यालय और सीईआरएन जैसे अग्रणी संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं में प्रो. पाउला हेरॉन (वाशिंगटन विश्वविद्यालय), प्रो. चंद्रलेखा सिंह (पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय), प्रो. डीन जोलमैन (कंसास स्टेट विश्वविद्यालय) और प्रो. मारिसा मिशेलिनी (उदीने विश्वविद्यालय) शामिल हैं।

आईसीपीई 2025 की संयुक्त अध्यक्षता प्रो. अरविंद (आईआईएसईआर मोहाली) और प्रो. पुष्पेंद्र पाल सिंह (आईआईटी रोपड़) कर रहे हैं, जिसमें आईआईटी रोपड़ के प्रो. सुदर्शन अयंगर और प्रो. मुकेश कुमार का संगठनात्मक समर्थन है।

### पंचकूला व कालका विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ की टैनिंग हुई सम्पन्न

**17 दिसंबर से 27 दिसंबर 2025 तक सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर सम्बंधित मतदाताओं से जानकारी प्राप्त करके मिलान से सम्बंधित कार्य करेंगे-उपायुक्त**

हिन्द जनपथ

**पंचकूला (ब्यूरो)**। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में जिला की पंचकूला व कालका दोनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी श्री चन्द्रकांत कटारिया, उप मण्डल अधिकारी (ना0) पंचकूला, 02-पंचकूला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र व श्री संयम गर्ग, उप मण्डल अधिकारी (ना0) कालका, 01-कालका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की अध्यक्षता में सभी बीएलओ को आज पीडब्लयूडी विश्राम गृह, सेक्टर-1 के सभागार में ट्रेनिंग दी गई।

श्री चन्द्रकान्त कटारिया ने बताया कि जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से पूर्व की गतिविधि के तहत जिले में सभी बीएलओ द्वारा राज्य में हुए पिछले गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची वर्ष 2002 से राज्य के वर्तमान मतदाताओं का मिलान किया जा रहा है। जिसके लिए सम्बंधित बीएलओ 17 दिसंबर से 27 दिसंबर तक अपने अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में घर-घर जाकर सम्बंधित मतदाताओं से जानकारी प्राप्त करके मिलान से सम्बंधित कार्य करेंगे। इस दौरान जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है ऐसे सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि उनके माता-पिता, दादा-दादी का नाम भारत के किसी राज्य की या हरियाणा राज्य की किस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किस भाग (मतदान केन्द्र संख्या) व मतदाता सूची की क्रम संख्या में वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज था, उसे अपने पास लिखकर रखें ताकि बी0एल0ओ0 द्वारा किये जा रहे डोर-टू-डोर के दौरान ऐसे योग्यः मतदाताओं का भी मिलान किया जा सके।

उन्होने बताया कि जिले की दोनो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के जिन मतदाताओं को यह मालूम नहीं है कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में स्वयं उनका नाम या उनके माता-पिता, दादा-दादी का नाम भारत के किसी राज्य की या हरियाणा राज्य की किस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किस भाग (मतदान केन्द्र संख्या) व मतदाता सूची की क्रम संख्या में दर्ज है, ऐसे सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वे भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट www.eci.gov.in पर उपलब्ध Search your name in last SIR के तहत अपने माता-पिता, दादा-दादी का नाम खोज सकते है ताकि जिले की दोनो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की तैयार की जाने वाली मतदाता सूची को त्रुटि रहित तैयार किया जा सके।